www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g

चांदी 97.000 kg

2 भारत की भलाई की जानबूझकर अनदेखी, देश हित पर भारी पड़ रहे दलगत स्वार्थ

यूएन में बिलावल के झूठ को पत्रकार ने पकड़ा 06

वर्ष :17 | अंक :64 | प्रयागराज ,गुरूवार ,05 जून , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

अहमदाबाद से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट में बम की धमकी, यात्रियों को बाहर निकाला गया, जांच जारी

अधिकारियों ने बताया कि अहमदाबाद से पटना जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट (6ए 921) में बम की धमकी मिलने के बाद बुधवार को दोपहर करीब 1 बजे पटना के जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल (जेपीएनआई) एयरपोर्ट पर विमान के उतरने के बाद विमान में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। विमान के उतरने के करीब 40 मिनट बाद विमान में सवार सभी 192 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उसे पटना एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में पार्क कर दिया गया। बाद में विमान को बे नंबर 1 में ले जाया गया, जहां यात्रियों को उतरने दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद विमान को पूरी तरह से सुरक्षा जांच के लिए एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में पार्क किया गया और विमान में सवार सभी 192 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गौरतलब है कि बम की धमकी इंडिगो स्टेशन मैनेजर शालिनी के सेलफोन पर विमान के पटना में उतरने के बाद व्हाट्सएप मैसेज के जरिए भेजी गई थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को भेजे गए मैसेज के मुताबिक, इस मैसेज में नैपकिन टिश्यू पर 'बम' लिखा हुआ था, जिसने तुरंत सीआईएसएफ को अलर्ट कर दिया।

झारखंड में अवैध पिस्तौल के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

झारखंड के पलामू जिले में अवैध पिस्तौल के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किए जाने के आरोप में 20-वर्षीय एक व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तौफीक अंसारी ने देसी पिस्तौल और कारतूस पांच हजार रुपये में खरीदे थे। पुलिस के अनुसार, वीडियो प्रसारित होने के तुरंत बाद ही उसे छतरपुर थाना क्षेत्र के दली गांव से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक (एसपी) रिष्मा रमेशन ने बताया कि वह (आरोपी) इलाके में बंदूक लेकर घूम रहा था, जिससे लोग असुरक्षा महसूस कर रहे थे।

आरसीबी की विक्ट्री परेड से पहले मची भगदड़ , अब तक11 लोगों की मौत

कई लोग घायल ,कांग्रेस नेता फोटो खिंचाने में लगे थे, बाहर लोग मर रहे थे, बेंगलुरु भगदड़ पर बोली बीजेपी

भगदड़

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक ये भगदड़ स्टेडियम के गेट नंबर-1 के पास हुआ है। स्टेडियम पहुंचने से पहले आरसीबी के खिलाड़ी विधान सभा पहुंचे थे। जहां चीफ मिनिस्टर ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

एजेंसी

डिप्टी सीएम बोले- गर्व होना चाहिए, पर जीवन से बड़ा नहीं

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भगदड़ भी घटना पर कहा- लोग जो आरसीबी की आईपीएल जीत का जश्न देखने वाले थे, उन्हें इस त्रासदी और मौत ने गहरा दुख और सदमा पहुंचाया है। मृतकों और उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। गर्व होना चाहिए, लेकिन जीवन से बड़ा नहीं। मैं सभी से अपील करता हूं कि कृपया सुरक्षित रहें।

बेंगलुरुः आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की शानदार जीत का जश्न दुखद हादसे में बदल गया. खबर के मुताबिक, बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाली आरसीबी की विक्ट्री परेड से पहले अचानक भगदड़ मच गई. सूत्रों के मुताबिक, इस भगदड़ में 11 लोगों के मारे जाने की खबर है. 7 की मौत बॉरिंग अस्पताल में और 4 की मौत वैदेही अस्पताल में हुई है.

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भगदड़ में मौतों की संख्या बढ़ सकती है. वहीं, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा है कि, इस भगदड़ की न्यायिक जांच होनी चाहिए. वहीं, भीड़ को इकट्ठा होने से रोकने के लिए कब्बन पार्क और विधानसौधा में मेट्रो स्टॉप को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है. यहां हजारों प्रशंसक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम की एक झलक पाने के लिए एकत्र हुए थे, जिसने मंगलवार को अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था. शूरू में प्राप्त खबरों के मुताबिक, चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ में दो युवकों के मारे जाने की खबर मिली थी. उसके बाद 4 लोगों के मारे जाने की खबर मिली, जो अब 11 हो गई है.इस भगदड़ में 20 लोग घायल बताए जा रहे हैं. यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम की पहली आईपीएल जीत का जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था. अधिकारियों ने मृतकों और घायलों के नाम और अन्य विवरण अभी तक साझा नहीं किए हैं.घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है और तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है.

भाजपा ने कहा- घटना की न्यायिक जांच हो

कर्नाटक विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा एमएलसी चालावाड़ी नारायणस्वामी ने कहा- यह घटना सरकार की वजह से हुई है। उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि कितने लोग आएंगे, क्या सावधानियां बरतनी होंगी। यह सुरक्षा में चूक है।

यूट्यूबर जसबीर सिंह को पंजाब में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया

हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस का कहना है कि उससे जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का पता चला है।

एजेंसी

ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी गुर्गों से थे संबंध

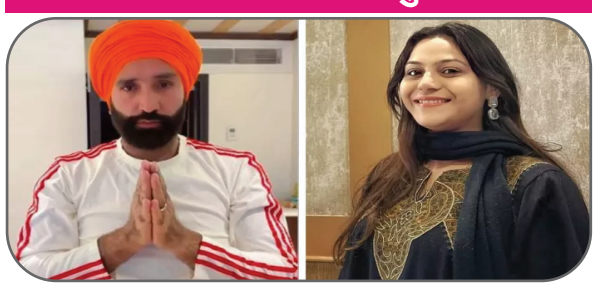

पंजाब। पंजाब पुलिस ने बुधवार को 1.1 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर वाले यूट्यूबर जसबीर सिंह को पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा होने के आरोप में गिरफ़्तार किया। यह गिरफ़्तारी उस व्यापक जांच का हिस्सा है जिसमें पहले हरियाणा की प्रभावशाली महिला ज्योति मल्होत्रा को भी इसी तरह के आरोपों में गिरफ़्तार किया गया था।

ज्योति मल्होत्रा के साथ निकट संपर्क में था जसबीर सिंह

हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ निकट संपर्क में रहे पंजाब के एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया गया है और पुलिस का कहना है कि उससे जुड़े एक जासूसी नेटवर्क का पता चला है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को बताया कि जान महल नाम का यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले एवं रूपनगर जिले के महलां गांव निवासी जसबीर सिंह का संबंध एक पाकिस्तानी खुफिया एजेंट (पीआईओ) से पाया गया है। उन्होंने बताया कि सिंह मल्होत्रा के भी निकट संपर्क में था, जिसे पहले हरियाणा पुलिस ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा

यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जान महल नामक एक यूट्यूब चैनल संचालित करने वाले जसबीर सिंह का संबंध पीआईओ शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा के साथ पाया गया है, जो आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। डीजीपी ने बताया कि उसका दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के उस अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी संपर्क था, जिसे भारत ने निष्कासित कर दिया गया था। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा, जांच से पता चला है कि दानिश के निमंत्रण पर जसबीर दिल्ली में पाकिस्तान राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में शामिल हुआ था, जहां उसकी मुलाकात पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों और व्लॉगर्स से हुई थी।

इलॉन मस्क के पिता कुर्ता-पायजामा में पहुंचे अयोध्या

हाथ जोड़कर नमस्कार किया; बेटी भी साथ; रामलला-हनुमानगढ़ी के दर्शन किए

वह करीब 30 मिनट तक हनुमानगढ़ी में रहे। इस दौरान संत-महंतों से बात की। फिर इरॉल मस्क अयोध्या एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना हो गए। इस दौरान थ्री लेयर सिक्योरिटी का इंतजाम रहा। ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी की गई।

एजेंसी

अयोध्या , दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क के पिता इरॉल मस्क बुधवार को अयोध्या पहुंचे। वे दिल्ली से प्राइवेट जेट से अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ बेटी एलेक्जेंड्रा मस्क, मोटिवेशनल स्पीकर विवेक बिंद्रा समेत 16 लोग आए थे।कुर्ता-पायजामा पहने इरॉल मस्क एयरपोर्ट से सीधे राम मंदिर पहुंचे। वहां दर्शन-पूजन किया। करीब 40 मिनट तक राम मंदिर में रुके। इस दौरान राम मंदिर के बारे में जानकारी ली। ट्रस्ट के लोगों ने इरॉल को रामलला का प्रसाद भेंट किया।इसके बाद इरॉल मस्क हनुमानगढ़ी पहुंचे। दर्शन-पूजन कर परिक्रमा की। संकटमोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास और हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास ने उनको रामनामी पटका और हनुमानजी का चित्र भेंट दिया। इरॉल मस्क और उनकी बेटी एलेक्जेंड्रा को गुलाब का माला पहनाई गई। हनुमानजी का तिलक लगाया गया।

चार राज्यों में अक्टूबर 2026 से जातीय जनगणना

पहले फेज में हिमाचल, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड, बाकी राज्यों में 1 मार्च 2027 से होगी

कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना कराने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

एजेंसी

नई दिल्ली , केंद्र सरकार दो फेज में जातीय जनगणना कराएगी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि पहले फेज की शुरूआत 1 अक्टूबर 2026 से होगी। इसमें 4 पहाड़ी राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख शामिल हैं।1 मार्च 2027 से दूसरा फेज शुरू होगा। इसमें देश के बाकी राज्यों में जनगणना शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने अपने प्रेस रिलीज में बताया कि जातियों की गणना के साथ-साथ जनसंख्या जनगणना भी कराने का फैसला लिया गया है। इससे जुड़ा नोटिफिकेशन 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में पब्लिश किया जा सकता है।केंद्र ने 30 अप्रैल 2025 को जातीय जनगणना कराने का ऐलान किया था। देश में आजादी के बाद यह पहली जातीय जनगणना होगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। 2011 में सामाजिक-आर्थिक गणना हुई, आंकड़े जारी नहीं मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे ग्रामीण विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय ने करवाया था।

मानसून सत्र 2025: 21 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त तक चलेगा: रिजिजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के अनुसार सरकार ने संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त 2025 तक चलाने का निर्णय लिया है.

एजेंसी

नई दिल्लीः संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है. यह सत्र 12 अगस्त तक चलेगा. संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को इसकी जानकारी दी है. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद विपक्ष लगातार संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है. इस बीच सरकार ने आज मानसून सत्र शुरू करने की घोषणा कर दी.दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ा मामला है.

सरेंडर उनके डीएनएऔर कांग्रेस की डिक्शनरी में है; राहुल गांधीकी बातें देशद्रोह से कम नहीं

दरअसल, राहुल गांधी ने मंगलवार को भोपाल में मोदी के खिलाफ बयान दिया था। उन्होंने कहा था, "ट्रम्प का एक फोन आया और नरेंद्र जी तुरंत सरेंडर हो गए। भाजपा - वालों को मैं अच्छी तरह से जानता हूं। इन पर थोड़ा सा दबाव डालो, थोड़ा सा धक्का मारो। ये डरकर भाग जाते हैं।"

एजेंसी

राहुल के 'नरेंदर सरेंडर' बयान पर बोले नड्डा

नई दिल्ली ,कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'नरेंदर सरेंडर' वाले बयान पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पलटवार किया है। नड्डा ने बुधवार को पर दो पोस्ट किए। इसमें उन्होंने राहुल गांधी से कहा- राहुल गांधी, सरेंडर आप करते होंगे, क्योंकि आपका इतिहास ही ऐसा रहा है। भारत कभी सरेंडर नहीं करता। सरेंडर आपकी पार्टी कांग्रेस की डिक्शनरी में है, आपके डीएनए में है। नड्डा ने लिखा, 'पाकिस्तान तो रोते-रोते दुनिया को बता रहा है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 18 जगह हमला करके सब कुछ तबाह कर दिया और राहुल गांधी देश के सरेंडर की बात कर रहे हैं। उनको पता होना चाहिए कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की घोषणा सरकार ने नहीं, बल्कि भारतीय सेना के अधिकारियों ने की थी।भाजपा अध्यक्ष ने आगे लिखा, 'जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान में तबाही मचाई, उसके बाद पाकिस्तान की जनता से लेकर उसकी सेना और उसके प्रधानमंत्री ने भी वो कहने की हिम्मत नहीं की, जो राहुल गांधी बोल रहे हैं। उन्होंने जो कहा, वह देशद्रोह से कम नहीं है।

कुबार्नी सार्वजनिक स्थानों पर न करें, साफ-सफाई और सौहार्द का रखें ध्यानः शाही इमाम

देश भर में 7 जून 2025 को ईद उल अजहा का त्यौहार मनाया जाएगा. ईद-उल-अजहा मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्योहारों में से एक है.

एजेंसी

नई दिल्लीः शनिवार, 7 जून 2025 को देश भर में ईद उल अजहा का त्यौहार मनाया जाएगा. ईद-उल-अजहा मुस्लिम समुदाय के प्रमुख त्योहारों में से एक है. ईद-उल-अजहा के त्यौहार को लेकर दिल्ली की जामा मस्जिद की नायब शाही इमाम मौलाना सैयद शाबान बुखारी ने मुस्लिम समुदाय से विशेष अपील की है. सैयद शाबान बुखारी ने मुस्लिम समुदाय से अपील करते हुए कहा है कि, ईद-उल-अजहा के त्योहार पर कुबार्नी सार्वजनिक स्थान, सड़कों या खुले स्थानों पर ना करते हुए केवल घरों के अंदर या निर्धारित स्थलों पर ही करें.सार्वजनिक स्थानों और खुले पर ना करें कुबार्नीः मौलाना बुखारी ने अपील में कहा है ।

बैठक | सड़क परियोजनाओं की समीक्षा की

गडकरी ने दिल्ली के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री के साथ की बैठक

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना तथा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ बुधवार को बैठक की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की मौजूदा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक के बाद गुप्ता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के केंद्र और शहर दोनों जगह सत्ता में होने का हवाला देते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार दिल्ली के लोगों को लाभान्वित कर रही है। गुप्ता ने कहा, दिल्ली में एनएचएआई की 35,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं जारी हैं। शिव मूर्ति से नेल्सन मंडेला रोड तक सात किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग बनाने का काम जारी है। आईएनए से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक एलिवेटेड रोड के निर्माण पर काम जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अपनी सड़कों के आसपास जल निकासी व्यवस्था बनाने का काम भी अपने हाथ में ले लिया है। उन्होंने कहा, इससे कई एजेंसियों के काम करने से होने वाली समस्याएं खत्म हो जाएंगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) उनकी मदद करेगा। गुप्ता ने बताया कि एनएचएआई ने दिल्ली के लिए 150 करोड़ रुपये की लागत वाली रोड ओवरब्रिज (आरओबी) और रोड अंडरब्रिज (आरयूबी) परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, दिल्ली के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने इसके लिए केंद्र का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अपनी सड़कों के आसपास जल निकासी व्यवस्था बनाने का काम भी अपने हाथ में ले लिया है। उन्होंने कहा, इससे कई एजेंसियों के काम करने से होने वाली समस्याएं खत्म हो जाएंगी। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) उनकी मदद करेगा।

> "मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने अपनी सड़कों के आसपास जल निकासी व्यवस्था बनाने का काम भी अपने हाथ में ले लिया है।

गुप्ता ने बताया कि एनएचएआई ने दिल्ली के लिए 150 करोड़ रुपये की लागत वाली रोड ओवरब्रिज (आरओबी) और रोड अंडरब्रिज (आरयूबी) परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, दिल्ली के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने इसके लिए केंद्र का आभार जताया।

राज्यपाल बागडे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया

इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान करते हुए ऐसे पेड़ लगाने पर जोर दिया है जो अधिक से अधिक छांव दें और भरपूर ऑक्सीजन दें। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, पर्यावरण की समस्या नैसर्गिक नहीं है, मिलकर प्रयास करें तो हम पर्यावरण का संरक्षण कर सकते हैं।

आधिकारिक बयान के अनुसार राज्यपाल ने कहा, हमें ऐसे पेड़ लगाने चाहिए जो अधिक से अधिक छांव दें और भरपूर ऑक्सीजन दें। बरगद और पीपल दिन रात ऑक्सीजन देते हैं। ऐसे पेड़ लगाने भूमि गर्म नहीं होगी। भूमि गर्म नहीं होगी तो हवा गर्म नहीं होगी। इसी से पर्यावरण शुद्ध रहेगा। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन बचाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, पानी बचाने के लिए प्रयास किए जाएं। पानी बचेगा तभी भूमिगत जल संरक्षण हो सकेगा। उन्होंने जलयुक्त गांव बनाए जाने का आह्वान किया।

सम्पादकीय

मिसाल बनेंगी रक्षा क्षेत्र की निजी कंपनियां, देश के रक्षा उत्पादन उद्योग को मिलेगा बूस्ट

वैश्विक रक्षा एवं विमानन बाजार पर कुछ देशों की चुनिंदा कंपनियों का ही दबदबा रहा है। बाकी दुनिया उन्हीं पर निर्भर रही है। अब सशक्त नीतिगत समर्थन एवं बढ़ती मांग ने भारत के लिए व्यापक अवसरों के द्वार खोले हैं। टाटा समूह देश में परिवहन विमान निर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है तो एयरबस जैसी दिग्गज कंपनी भी देश में उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है। वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने हाल में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा रक्षा सामग्री की आपूर्ति में देरी का मुद्दा उठाया। ऐसे स्वर पहले भी उठते रहे हैं। इस सबके बीच कुछ दिनों पहले मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आपरेशन सिंदूर की सफलता स्वदेशी हथियारों की क्षमता एवं मेक इन इंडिया तकनीक के महत्व को रेखांकित करती है।रक्षा मंत्री भी रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की व्यापक भूमिका की बात कह चुके हैं। इसमें संदेह नहीं कि 2018 से ही भारतीय रक्षा उत्पादन उद्योग तेजी से बढ़ा है, लेकिन उसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी अपेक्षाकृत सीमित बनी हुई है। यह सही समय है कि इसका दायरा बढ़ाया जाए। अमेरिका आधुनिक सैन्य-औद्योगिक जुगलबंदी का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसा मुख्य रूप से निजी क्षेत्र की मेहरबानी से है।एक समय अमेरिका की सामरिक जरूरतों की पूर्ति सरकारी उद्यमों से होती थी। करीब 68 प्रतिशत नौसैनिक जहाज सरकारी यार्ड में बनते थे और प्रमुख रक्षा तकनीक मुख्यतः ब्रिटेन से आयात होती थी। 19वीं सदी के आखिरी वक्त में निजी कंपनियों के इस क्षेत्र में आगमन ने वहां रक्षा उत्पादन के पूरे समीकरण बदल डाले। इन कंपनियों ने आधुनिक तकनीक में निवेश बढ़ाकर, औद्योगिक लाबी बनाकर रक्षा उत्पादन को नए आयाम दिए। प्रथम विश्व युद्ध के समय जब अमेरिका सैन्य महाशक्ति के रूप में स्थापित हुआ, तब निजी क्षेत्र उसकी रीढ़ बन चुका था।भारत में वाहन निर्माण से लेकर साफ्टवेयर क्षेत्र में उत्तरोत्तर बढ़ती ताकत में निजी क्षेत्र का अहम योगदान रहा है। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उत्पादन उपक्रमों ने भी अपनी विश्वसनीयता अर्जित की है। हाल के वर्षों में उनका प्रदर्शन और बेहतर हुआ है, लेकिन वे मुख्य रूप से लाइसेंस उत्पादन प्रणाली पर काम करते हैं। इस प्रणाली में उत्पादन की मात्रा, उसकी गति एवं सामरिक स्वायत्तता के मोर्चे पर अपनी कुछ सीमाएं हैं।आपरेशन सिंदूर ने इस आवश्यकता को नए सिरे से रेखांकित किया कि भारत के समक्ष उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के निराकरण के लिए एक सक्षम स्वदेशी इनोवेटिव इकोसिस्टम का विकास करना होगा। इनोवेशन फार डिफेंस एक्सीलेंस यानी आइडीईएक्स जैसी पहल ने दर्शाया है कि भारतीय तकनीक वैश्विक मानकों की बराबरी करने और कई मामलों में उनसे इक्कीस साबित हो सकती हैं।

आज का विचार

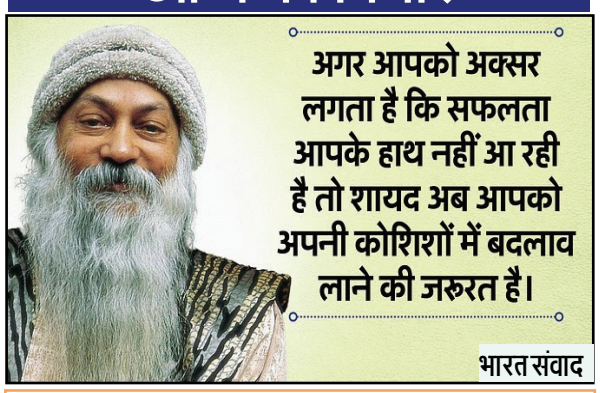

राशिफल

मेष राशि : आज ग्रह दशा अधिक अनुकूल नहीं है, इसलिए कोई भी बड़ा काम हाथ में लेने से पहले कई बार सोच लें. आज आपके खर्चे काफी बढ़े रहेंगे और इस कारण से आपका तनाव काफी बढ़ सकता है. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी और आपके कुछ विरोधी आज सिर उठा सकते हैं.

वृषभ राशि: आज का दिन काफी अनुकूल है. ग्रहों की चाल से आपको लाभ होगा और आपकी आय में वृद्धि होगी. नौकरी में इंक्रीमेंट के बारे में विचार किया जा सकता है, इसलिए कोई ऐसा न करें कि अधिकारी आपके खिलाफ हो जाएं. प्रेमी जातकों के लिए आज का दिन बहुत ही खुशी भरा रहेगा और आप रिश्ते में बढ़ते प्यार से अभिभूत रहेंगे.

मिथुन राशि: दिन शुभ है और आज आपका मन धार्मिक कार्यों में लगेगा. आप लोगों की भलाई के लिए कुछ काम करेंगे. आप जहां काम करते हैं, वहां आज आपकी ही चर्चा होगी. आपके प्रदर्शन की लोग तारीफ करेंगे. आप मन लगाकर खूब मेहनत करेंगे.

कर्क राशि: कर्क राशि वालों पर किस्मत मेहरबान रहेगी और सभी कार्य सरलता से पूर्ण होंगे। भाग्य आपके पक्ष में रहेगा, जिससे आपको लगभग सभी कार्यों में सफलता मिलेगी. आज आपको किसी खूबसूरत जगह की यात्रा करने का मौका मिलेगा, जहां जाने से मन प्रसन्न रहेगा और जीवन में ताजगी आएगी.

सिंह राशि : आज लाभ का दिन है. ग्रहों का गोचर आपको अपने बारे में सोचने पर मजबूर करेगा. कुछ बातें हैं जो आपने किसी को नहीं बताईं. आज उन बातों पर कहीं चर्चा हो सकती है.

कन्या राशि: आज का दिन अनुकूल है. ग्रहों और सितारों की चाल आज आपके व्यवसाय के लिए कोई नई खुशखबरी लेकर आएगी. आज आपको कुछ नए लोगों से व्यापारिक सौदे प्राप्त हो सकते हैं जिससे आपका कारोबार चमकेगा. दांपत्य जीवन में भी तनावपूर्ण स्थितियों का अंत होगा और एक दूसरे के प्यार में आप लोग खुश रहेंगे.

तुला राशि: आज ग्रहों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं है, इसलिए भूलकर भी धन का निवेश न करें, अन्यथा आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. अगर आपने पहले से ही कहीं निवेश किया हुआ है तो आज उस निवेश का अच्छा परिणाम प्राप्त होने की उम्मीद है.

वृश्चिक राशि : लाभ का दिन है. आज आपके चारों ओर प्रेम की हवा फैलेगी, जिससे आपका दिन बेहद खुशनुमा रहेगा. आज आप अपने प्यार को खुलकर महसूस करेंगे और अपने पार्टनर को खुश रखने की पूरी कोशिश करेंगे.

धनु राशि: आज का दिन शुभ है और आपके लिए विशेष लाभ के योग बन रहे हैं. ग्रहों की स्थिति आज आपके लिए कुछ खास लेकर आई है. मन में प्रसन्नता का भाव रहेगा और परिवार का प्रेम भी आपको प्राप्त होगा. आज आप परिवार की जरूरतों को समझेंगे और आपका पूरा ध्यान घरेलू जीवन पर रहेगा.

मकर राशि: आज का दिन खुशनुमा बीतेगा और पुरानी यादें ताजा करने का भी मौका मिलेगा. आज दोस्तों से मिलने में समय व्यतीत करेंगे और खूब गपशप करेंगे. भाई-बहनों की ओर से कोई सुखद समाचार सुनने को मिलेगा, जिससे आपके चेहरे पर खुशी आएगी. किसी काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है.

कुंभ राशि: ग्रहों की स्थिति शुभ है और आज आर्थिक चुनौतियां कुछ कम होंगी. कहीं से पैसा आपके पास आएगा, जिससे आपको राहत की सांस लेने का मौका मिलेगा.

मीन राशि : मीन राशि वालों के लिए आज ग्रहों की दशा शुभ है और आज जहां हाथ रखोगे वहीं सफलता मिलेगी. आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और सेहत भी मजबूत रहेगी. आज आप अपना दांपत्य जीवन बहुत अच्छे से व्यतीत करेंगे और अपने जीवनसाथी के लिए कुछ ऐसा खरीदेंगे जिससे वो बेहद खुश होंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भारत की भलाई की जानबूझकर अनदेखी, देश हित पर भारी पड़ रहे दलगत स्वार्थ

आम तौर पर अपने ही नेता की आलोचना गुटबाजी उसके बढ़ते कद या फिर नेतृत्व की उससे नाराजगी के चलते की जाती है। सलमान खुर्शीद कांग्रेस के ऐसे नेता नहीं हैं लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा गया। अपने देश में दूसरे दलों और उनके नेताओं पर सही-गलत आरोप लगाने में कोई समस्या नहीं होती लेकिन इसका भी एक समय होता है।

पा आखिरकार शशि थरूर के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने और आपरेशन सिंदूर का औचित्य बताने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल अपने एक और नेता सलमान खुर्शीद पर भी हमला बोल दिया। जैसे थरूर ने ऐसे नेताओं का नाम न लेते हुए उन्हें जवाब दिया, वैसे ही खुर्शीद ने भी।इसी के साथ उन्होंने अपनी पीड़ा बयान करते हुए यह प्रश्न भी किया कि क्या देशभक्त होना इतना कठिन है? यह केवल एक प्रश्न नहीं, पीड़ा भी है। इस पीड़ा का अनुभव कांग्रेसजन भी कर रहे होंगे, लेकिन वे कुछ कह नहीं सकते, क्योंकि उन्हें भी पता है कि थरूर और खुर्शीद पर हमले पार्टी नेतृत्व के करीबी कर रहे हैं।थरूर और गांधी परिवार के रिश्ते शायद तबसे ठीक नहीं चल रहे, जबसे उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे के विरुद्ध अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा। राहुल गांधी के अति विश्वासपात्र जयराम रमेश ने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा था, कांग्रेस में होने और कांग्रेस का होने में फर्क होता है। लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने पर पाला बदलने और अब खुद को कांग्रेस का सिपाही कहने वाले उदितराज की समझ से थरूर भाजपा के सुपर प्रवक्ता बन गए हैं।अतीत में नरेन्द्र मोदी और शशि थरूर एक-दूसरे की आलोचना कर चुके हैं। बाद में कुछमौकों पर दोनों ने एक-दूसरे की प्रशंसा भी की। थरूर ने आपरेशन सिंदूर को भारत की उचित प्रतिक्रिया बताते हुए ट्रंप पर भी निशाना साधा। थरूर के विपरीत सलमान खुर्शीद गांधी परिवार के करीबी माने जाते हैं। वह पहले भी भाजपा के आलोचक रहे हैं और अब भी हैं।उन्होंने कहा भी, क्या यहां मैं सरकार का विरोध करने आया हूं? यदि ऐसा करना होगा तो भारत जाकर करूंगा। यहां तो मैं भारत के पक्ष में बोलने आया हूं। यह वही खुर्शीद हैं, जिन्होंने अपनी किताब में लिखा था कि हिंदुत्व इस्लामिक स्टेट और बोको हराम जैसा है। तब उनकी आलोचना इसी स्तंभ में की गई थी। खुर्शीद पर इसलिए निशाना साधा गया, क्योंकि इंडोनेशिया में उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनु. 370 हटाने को सही बताया। ध्यान दें कि इस अनुच्छेद को हटाने के फैसले का समर्थन करने वाले कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। यह राहुल गांधी और उनके करीबी ही बता सकते हैं कि थरूर के साथ खुर्शीद को निशाने पर लेने से कांग्रेस या फिर देश के कौन से हित सध रहे हैं, क्योंकि आम लोगों के लिए इसे समझना कठिन है। क्या कांग्रेस नेतृत्व यह बुनियादी बात भी नहीं समझता कि मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार और भारत में अंतर है? आम तौर पर अपने ही नेता की आलोचना गुटबाजी, उसके बढ़ते कद या फिर नेतृत्व की उससे नाराजगी के चलते की जाती है। सलमान खुर्शीद कांग्रेस के ऐसे नेता नहीं हैं, लेकिन उन्हें भी नहीं बख्शा गया। अपने देश में दूसरे दलों और उनके नेताओं पर सही-गलत आरोप लगाने में कोई समस्या नहीं होती, लेकिन इसका भी एक समय होता है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद निशिकांत दुबे विश्व में भारत की बात कहने से ज्यादा जोर एक्स पोस्ट के जरिये कांग्रेस पर हमला करने में दे रहे हैं।हैरानी है कि सरकार और भाजपा की ओर से कोई उनसे यह क्यों नहीं कह रहा कि दुबे जी, जरा थम जाएं, देश लौटकर कांग्रेस का कच्चा-चिट्ठा खोलिएगा और अभी उस पर ध्यान दें, जिसके लिए विदेश गए हैं। हर राजनीतिक दल और नेता के अपने-अपने राजनीतिक हित होते हैं और वे अपने वोट बैंक की अतिरिक्त चिंता करते हैं। इसमें हर्ज नहीं, लेकिन कभी-कभी ऐसे अवसर आते हैं, जब देश हित को ही सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। इसका परिचय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में शामिल कई विपक्षी नेता शानदार तरीके से दे रहे हैं।स्पेन गए हमारे नेता वहां जब भारतीय समुदाय से मिले तो किसी ने प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहीं कनीमोरी से पूछा-भारत की राष्ट्रीय भाषा क्या है? उनका जवाब था-एकता में अनेकता हमारी राष्ट्रीय भाषा है। प्रश्न पूछने वाले की बोलती बंद हो गई और शेष लोगों ने करतल ध्वनि की। इस पर विशेष रूप से गौर करें कि कनीमोरी उस डीएमके की सांसद हैं, जो यह थोथा प्रचार कर रही है कि मोदी सरकार तमिल भाषा पर हिंदी थोप रही है।बहरीन में असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान को खूब धोया और पाकिस्तानियों को उनकी बात अच्छे से समझ आ जाए, इसलिए कुछ शब्द उर्दू में भी बोले। विपक्ष में मोदी सरकार का उनसे बड़ा कट्टर आलोचक शायद ही कोई हो, लेकिन वह पाकिस्तान को जैसी खरी-खोटी सुना रहे हैं, उससे उनके समर्थक भी हैरान हो सकते हैं। उन्होंने साफ कहा था कि पहलगाम में लोगों को उनका मजहब पूछकर मारा गया। कई तथाकथित सेक्युलर नेता ऐसा कहने-मानने में लजा गए थे। एक कांग्रेस नेता ने तो कहा था कि भला आतंकियों के पास इतनी फुर्सत कहां थी कि वे लोगों को मारने से पहले उनका मजहब पूछते।निःसंदेह पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा में कमी-अनदेखी पर सवाल पूछे ही जाने चाहिए, लेकिन इस अंदाज में नहीं कि वे पाकिस्तान के टीवी चैनलों पर चलने लगें और वहां की सेना और सरकार को इन सवालों के सहारे यह शोशा छोड़ने में आसानी होने लगे कि पहलगाम में आतंकी हमला तो भारत ने खुद कराया था।

भारत की बढ़ती शीतलन मांगः ऊर्जा-कुशल विकल्पों के लिए एक कॉल

विजय गर्ग

भारत के तेजी से आर्थिक विस्तार और शहरी परिवर्तन ने ऊर्जा की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि को बढ़ावा दिया है। इस वृद्धि के सबसे दृश्यमान परिणामों में से एक बिजली की खपत में वृद्धि है, जो 2013-14 में 136 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से 2023-24 में 243 गीगावाट तक चढ़ गया है। 30 मई, 2024 को देश ने पीक पावर डिमांड में 250 गीगावॉट का सर्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया। यह प्रवृत्ति धीमी होने का कोई संकेत नहीं दिखाती है, एक प्रमुख योगदानकर्ता के बढ़ते तापमान और शहरी आबादी के विस्तार के बीच शीतलन समाधान की बढ़ती आवश्यकता है।अकेले 2024 में, इनडोर जलवायु नियंत्रण की बढ़ती मांग को रेखांकित करते हुए, एयर कंडीशनर (एसी) की बिक्री में 40-50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आगे देखते हुए, गर्मियों 2025 में पीक बिजली की मांग में 9-10 प्रतिशत की वृद्धि देखने की उम्मीद है, जो ठंडा जरूरतों से भारी है। पहले से ही, प्रशंसक और एसी शहरी भारत में घरेलू बिजली के उपयोग के लगभग आधे हिस्से में योगदान करते हैं। फिर भी, इसके बावजूद, केवल लगभग 3 प्रतिशत परिवार ही सुपर ऊर्जा-कुशल छत प्रशंसकों का उपयोग करते हैं। प्राथमिक बाधा सामर्थ्य है, क्योंकि ये प्रशंसक आमतौर पर एक उच्च अग्रिम लागत लेते हैं। इस सामर्थ्य अंतर को संबोधित करना न केवल एक आर्थिक चिंता है, बल्कि एक रणनीतिक अनिवार्यता भी है। ऊर्जा-कुशल शीतलन उपकरणों को व्यापक रूप से अपनाने से भारत को ग्रिड तनाव को कम करने, ऊर्जा की खपत को कम करने और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने का एक अनूठा अवसर मिलता है।

पीक की मांग

हर साल, भारत 10 से 15 मिलियन नई एसी इकाइयों के बीच जोड़ता है। 2035 तक, देश 150 मिलियन अधिक स्थापित देख सकता था। सर्वव्यापी छत पंखे के उपयोग के साथ, यह वृद्धि बिजली की मांग में एक तेज मौसमी वृद्धि पैदा करती है - विशेष रूप से सबसे गर्म महीनों के दौरान। यह मौसमी चोटी बिजली के बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव डालती है, जिससे अक्सर ब्लैकआउट होता है, बिजली प्रदाताओं के लिए खरीद लागत में वृद्धि होती है, और उपभोक्ताओं के लिए अविश्वसनीय आपूर्ति होती है। इस संदर्भ में, शीतलन उपकरणों की दक्षता में सुधार केवल एक घरेलू मुद्दा नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन जाती है। पावर ग्रिड पर लोड को कम करके, ऊर्जा-कुशल उपकरण बिजली की आपूर्ति को स्थिर करने में मदद कर सकते हैं।

स्वामित्व की कुल लागत

कई उपभोक्ता अपने थोड़े अधिक मूल्य वाले टैग के कारण ऊर्जा-कुशल उपकरण खरीदने में संकोच करते हैं। हालांकि, ये उपकरण अक्सर समय के साथ महत्वपूर्ण धन बचाते हैं। स्वामित्व की कुल लागत की अवधारणा में न केवल प्रारंभिक खरीद मूल्य शामिल है, बल्कि उत्पाद के जीवनकाल पर परिचालन लागत भी शामिल है। 5-स्टार एसी और बीएलडीसी (ब्रशलेस डायरेक्ट करंट) जैसे उच्च दक्षता वाले उपकरण अपने कम कुशल समकक्षों की तुलना में सालाना 50 प्रतिशत तक कम बिजली की खपत करते हैं। 8 से 10 वर्षों के उपयोग से, ये बचत प्रारंभिक मूल्य अंतर से कहीं अधिक हो सकती है। अध्ययनों से संकेत मिलता है कि स्वामित्व की समग्र लागत को 17 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है, जिससे न केवल पर्यावरण की दृष्टि से बल्कि आर्थिक रूप से उच्च दक्षता वाले मॉडल बन सकते हैं।

एसी के लिए माइलेज 'की रेटिंग

उपभोक्ताओं को सूचित निर्णय लेने में मदद करने के लिए, भारत ने एयर कंडीशनर के लिए भारतीय मौसमी ऊर्जा दक्षता अनुपात प्रणाली की शुरूआत की। आईएसईईआर एसी के लिए एक रमाइलेजर लेबल के समान है, जो मौसमी विविधताओं में खपत ऊर्जा की प्रति इकाई शीतलन आउटपुट को मापता है। एक उच्च आईएसईईआर रेटिंग बेहतर ऊर्जा प्रदर्शन का प्रतीक है। उदाहरण के लिए, 5.0 या उससे अधिक के आईएसईईआर मूल्य के साथ 5-स्टार एसी 30 किलोमीटर प्रति लीटर देने वाली कार की तुलना में है, जबकि 3.5 रेटिंग वाला 3-स्टार एसी 20 किमी / लीटर के करीब हो सकता है। समय के साथ, यह अंतर पर्याप्त बिजली बिल बचत में तब्दील हो जाता है - 5-स्टार एसी को एक स्मार्ट निवेश बनाता है, विशेष रूप से भारत जैसे जलवायु में, जहां गर्मियों की शीतलन की आवश्यकता गहन होती है।

क्यों वीएलडीसी प्रशंसक नब्ज बनाता है?

भारतीय घरों में छत के पंखे सबसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले शीतलन उपकरण हैं और अक्सर दिन में 15 से 18 घंटे काम करते हैं, विशेष रूप से गर्म क्षेत्रों में। पारंपरिक प्रेरण-आधारित प्रशंसक आमतौर पर 70-80 वाट का उपभोग करते हैं, जबकि ऊर्जा-कुशल बीएलडीसी प्रशंसकों को केवल 28-35 वाट की आवश्यकता होती है। घरेलू स्तर पर, यह बिजली के बिलों पर 15 प्रतिशत तक की बचत में तब्दील हो जाता है। जबकि एक पारंपरिक प्रशंसक के लिए कठफ 1,300 की तुलना में इछऊउ प्रशंसक की लागत कठफ 2,700 के आसपास होती है, ऊर्जा बचत के माध्यम से अंतर को 18 महीने से कम समय में फिर से जोड़ा जा सकता है।

उसके बाद, प्रशंसक अपने 7-8 वर्ष के जीवनकाल के शेष के लिए लगभग लागत मुक्त संचालित करता है। बीएलडीसी प्रशंसकों को व्यापक रूप से अपनाने से परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ सकता है। यदि प्रत्येक भारतीय घर ने सिर्फ दो ऐसे प्रशंसकों को स्थापित किया और उन्हें प्रतिदिन 15 घंटे तक संचालित किया, तो राष्ट्रीय बचत सालाना कठफ 78,000 करोड़ से अधिक हो सकती है।

वाट क्षमता मिथक को डिबंकिंग करना

एक सामान्य गलत धारणा यह है कि उच्च वाट क्षमता का अर्थ बेहतर प्रदर्शन है। यह गलतफहमी विशेष रूप से प्रकाश की जगह में प्रचलित है, जहां उपभोक्ता अक्सर मानते हैं कि 9-वाट का बल्ब 6-वाट की तुलना में उज्जवल है। वाट क्षमता ऊर्जा की खपत को इंगित करती है - चमक नहीं। एल ई डी जैसी दक्षता-केंद्रित प्रौद्योगिकियां प्रति वाट अधिक लुमेन का उत्पादन करती हैं

ऑपरेशन सिंदूर की सफलताः नेपथ्य में देश के लोकतंत्र की आस्था पर विस्वास और गर्व

संजीव ठाकुर

हमें स्वतंत्रता अथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास के कारण ही देश का मनोबल बहुत ऊंचा एवं गगनचुम्बी है हमें इस पर गर्व होना चाहिए और यही कारण है कि भारत में लोकतंत्र की आस्था तथा विस्वास के चलते ही ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर हमला किया और आतंकवादियों तथा उसके पोषक पालकों के छक्के छुड़ा दिए और भारत ने युद्ध में बड़ी सफलता पाई। भारतीय फौज के शौर्य और शक्ति का लोहा पूरी दुनिया में स्वीकार किया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे भारत में लोकतांत्रिक आस्था और गर्व पर विश्वास करने वाली 141 करोड़ जनता का बड़ा समर्थन है। देश की जागरूक जनता ने ऑपरेशन सिंदूर के संचालन में भारत सरकार और भारतीय तीनों सेना के अंगों का भरपूर समर्थन किया है, भारत के नागरिकों को भारतीय सेना के अदम्य साहस और वीरता पर गर्व है। हमें इन गौरवशाली पलों को अनंत काल तक बनाए रखना होगा और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजर अंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2025 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया है वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द्र की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरूआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ-साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ-साथ शांति और सौहार्द्र का वातावरण तैयार किया जा सकता है।देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं।पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी-बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही-सही समुचित दोहन ही हो पाया वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाए संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पाया हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ-साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगा केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती है

सपा कार्यालय पर विवादित पोस्टर

भाजपा नेताओं और विपक्षी नेताओं के बयानों पर अलग-अलग कार्रवाई का आरोप

भारत संवाद

प्रयागराज, समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय के बाहर एक विवादास्पद पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर में भाजपा सरकार पर आपत्तिजनक बयानों को लेकर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया गया है।पोस्टर को दो भागों में बांटा गया है। एक तरफ नूपुर शर्मा, विजय शाह और अनुराग ठाकुर जैसे भाजपा नेताओं की तस्वीरें हैं। दूसरी तरफ अब्बास अंसारी, आजम खान, अफजल अंसारी और इरफान सोलंकी जैसे विपक्षी नेताओं की तस्वीरें हैं। पोस्टर का मुख्य संदेश है कि भाजपा नेताओं और विपक्षी नेताओं के बयानों पर अलग-अलग तरह की कार्रवाई की जाती है। समाजवादी छात्र सभा के जिला महासचिव सद्दाम अंसारी ने यह पोस्टर लगवाया है। उनका कहना है कि भाजपा मुस्लिम नेतृत्व को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती। उन्होंने कहा

कि मुस्लिम नेताओं की सदस्यता तुरंत रद्द कर दी जाती है, जबकि भाजपा नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इस घटना के बाद शहर में राजनीतिक माहौल गरम हो गया है। समाजवादी पार्टी ने इसे अल्पसंख्यकों के प्रति भाजपा का पक्षपातपूर्ण रवैया बताया है। भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

2 डॉक्टरों के बर्खास्त करने के निर्देश

जिला महिला अस्पताल के डॉ. अजय व डॉ. रामानंद महीनों से अनुपस्थित, डीएम के निरीक्षण में खुली पोल

भारत संवाद

प्रयागराज, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड अचानक सरोजिनी नायडू चिल्ड्रन हॉस्पिटल व जिला महिला अस्पतलाल का निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। यहां पर उन्होंने वार्डों में जाकर वहां की व्यवस्थाएं देखी। जिला महिला चिकित्सालय (डफरिन) पहुंचे थे। वहां पर सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक से डॉक्टरों की अनुपस्थिति के बारे में जानकारी ली। इस पर चिकित्सा अधीक्षिक डॉ. नूर हसन नकवी के द्वारा बताया गया कि कोई भी चिकित्सक अनुपस्थित नहीं है लेकिन डॉ. अजय जो 10 माह से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित है एवं डॉ. रामानंद कार्यभार ग्रहण के पश्चात

अस्पताल में नहीं आए हैं। इस पर जिलाधिकारी ने इन दोनों चिकित्सकों को बर्खास्त करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके पहले डीएम ने चिल्ड्रन हॉस्पिटल में भर्ती बच्चों के बारे में डॉक्टर से व उनके परिवार वालों से जानकारी ली। इमरजेंसी वार्ड में एक बेड पर 2 से 3 मरीजों को भर्ती करके उनका इलाज किया जा रहा था। यह देख जिलाधिकारी ने नाराजगी जतायी। इसके साथ ही साथ उन्होंने वार्डों में खराब ए.सी देख जिम्मेदार अधिकारी को तत्काल इस ठीक करने का निर्देश दिया। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर वत्सला मिश्रा व अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर अनुभा श्रीवास्तव को उन्होंने 15 जून तक का समय दिया की अस्पताल में जो भी कमियां हैं। इसको इस अवधि में ठीक कर के इसकी सूचना दें।जिलाधिकारी ने पूछा की भर्ती बच्चों को खाने-पीने के लिए क्या व्यवस्थाएं हैं? क्या गाइडलाइन है? इस पर अधीक्षक जवाब नहीं दे सके। उन्होंने कहा की पूरी गाइडलाइन के बारे में पता करिए और यहां भर्ती बच्चों को किस तरह की खाने पीने की चीज दी जानी है यह तय किया किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने पेयजल की समस्या पर भी नाराजगी जताई 15 जून के अंदर पांच वाटर कूलर लगाने के लिए उन्होंने निर्देश दिया। अस्पताल में भर्ती बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में उन्होंने जानकारी ली। करीब डेढ़ घंटे तक जिलाधिकारी इस अस्पताल में रहे । इसके बाद वह सीधे जिला महिला अस्पताल यानी डफरिन का निरीक्षण करने पहुंच गए। यहां पर भी तमाम अव्यवस्थाएं मिली, जिस पर उन्होंने अधीक्षक को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए।

फास्ट ट्रैक

थाना को0शहर पुलिस द्वारा आपराधिक षड़यंत्र के तहत कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी बैनामा कराने के अभियोग से सम्बंधित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0शहर, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 04.01.2024 को वादी अमन कुमार शुक्ला पुत्र संतोष शुक्ला निवासी विडुलपुर थाना औराई जनपद भदोही द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी बैनाम करा लेने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी ।प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0शहर पर मु0अ0सं0-03/2024 धारा 419,420, 467, 468,471 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक लेते हुए संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी करने हेतु क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक को0शहर को निर्देश दिए गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में पूर्व में 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है । थाना को0शहर पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 04.06.2025 को उप-निरीक्षक जय प्रकाश यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर थाना को0शहर क्षेत्र से उपरोक्त अभियोग से सम्बधित 02 वांछित अभियुक्त 1. नन्दा पुत्र स्व0 बाबा उर्फ पकौड़ी व 2. तेजबहादुर पुत्र बाबा उर्फ पकौड़ी निवासीगण बरौधा अन्दर थाना कोकटरा जनपद मीरजापुर को अन्तर्गत धारा 419,420,467,468,471 भादवि में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना हलिया पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित वांछित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठपुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना हलिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-98/2025 धारा 3(1)उ0प्र0 गिरोहबन्द समाज विरोधी क्रियाकलाप(निवारण) अधिनियम में बड़ी कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 04.06.2025 को प्रभारी निरीक्षक वीरेनद्र सिंह मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर गैंगेस्टर एक्ट के वांछित 02 अभियुक्त 1. राणा उर्फ रजा मोहम्मद पुत्र मुट्टर अली निवासी हलिया थाना हलिया जनपद मीरजापुर व 2. दया राम कोल पुत्र मुरली कोल निवासी बांजारी कला थाना हलिया जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठपुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 04.06.2025 को उप निरीक्षक कुर्बान अली मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी नन्हकू पुत्र स्व0 लालमनी निवासी ग्राम मवैया थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

वरिष्ठपुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 04.06.2025 को उप निरीक्षक अखिलेश यादव व उप निरीक्षक रमेश यादव मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी राम नगीना पुत्र स्व0 राम कृपाल यादव निवासी भैसोर बलाय पहाड़ थाना ड्रमण्डगंज जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय में प्लास्टिक के रोकथाम विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

भारत संवाद

विश्व पर्यावरण दिवस पखवाड़ा दिनांक 22.05.2025 से 05.06.2025 के दौरान उत्तर मध्य रेलवे, मुख्यालय, प्रयागराज द्वारा प्लास्टिक के रोकथाम हेतु मुख्यालय में कार्यरत रेलकर्मियों के बच्चों के मध्य जागरूकता हेतु निबंध लेखन प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह का अरावली सभाकक्ष में किया गया। निबंध लेखन प्रतियोगता में प्रथम पुरस्कार मास्टर देवांश माहौर पुत्र श्री दलीप सिंह - कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक/ कार्मिक विभाग मुख्यालय को प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर महोदय श्री अनिमेष कुमार सिन्हा जी द्वारा प्रदान किया गया । कार्यक्रम का संचालन श्री शिवाजी कदम, मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक/उमरे/ मुख्यालय ने किया। साथ ही पर्यावरण पर सेमीनार का आयोजन किया । इस अवसर पर मुख्यालय में कार्यरत कर्मचारियों ने पूरे उत्साह से बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहयोगी कर्मचारी श्री दलीप सिंह - मुख्य कर्मचारी एवं कल्याण निरीक्षक/कार्मिक विभाग का विशेष योगदान रहा ।

रिटायर्ड पुलिस महानिरीक्षक आर. के. चतुर्वेदी बने यू पी पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान के अध्यक्ष

भारत संवाद

लखनऊ, उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान लखनऊ इकाई की बैठक एवं नई कार्यकारिणी का चुनाव पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, लखनऊ की देख-रेख में रिजर्व पुलिस लाईन, लखनऊ के संगोष्ठी सदन में सम्पन्न हुआ। उक्त गोष्ठी में जनपद लखनऊ के पुलिस पेंशनर्स सेवानिवृत्त अधिकारी / कर्मचारीगण ने प्रतिभाग किया। गोष्ठी में कई पेंशनर्स ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया व कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आये, जिन पर अग्रिम कार्यवाही कराये जाने हेतु अध्यक्ष महोदय द्वारा आश्वस्त किया गया। उक्त बैठक में राजेश कुमार यादव, अपर पुलिस उपायुक्त, लखनऊ द्वारा पीठासीन अधिकारी के रूप में चुनावी कार्यवाही सम्पन्न करायी गयी। बैठक में उपस्थित पुलिस पेंशनर्स द्वारा निर्विरोध रूप से आर०के० चतुर्वेदी, रिटायर्ड पुलिस महानिरीक्षक को अध्यक्ष, अजय कुमार मिश्रा, रिटा० अपर पुलिस अधीक्षक व मिथिलेश सिंह, रिटा० पुलिस उपाधीक्षक को उपाध्यक्ष, आर०एल० निरंजन, रिटा० पुलिस उपाधीक्षक को महासचिव व हीरा लाल गिरि, रिटा० उप निरी० को कोषाध्यक्ष चुना गया। सचिव के 02 पद होने व इस पद पर 03 लोगों के नाम सामने आने पर विधिवत हाथ उठाकर वोटिंग करायी गयी, जिसके परिणामस्वरूप अनिल कुमार सिंह, रिटा० निरीक्षक व हरि भजन सिंह, रिटा० उप निरीक्षक सचिव निर्वाचित हुए। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मुनेन्द्र सिंह, दिनेश कुमार त्रिवेदी, भुवनेश तिवारी, एन०सी० अवस्थी, अतुल अग्निहोत्री, श्याम कुमार सिंह व भावना पुनेठा को नामित किया गया। उक्त बैठक में आर०के० चतुर्वेदी, रिटा० पुलिस महानिरीक्षक / अध्यक्ष, श्याम पाल

सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष, महेन्द्र पाल सिंह, पूर्व महासचिव व अम्बरीश कुमार मिश्रा, पूर्व कोषाध्यक्ष, कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रिंयका राय सहित जनपद लखनऊ से कुल 181 पुलिस पेंशनर्स ने प्रतिभाग किया तथा बैठक के उपरान्त लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जल-पान की व्यवस्था की गयी। पुलिस पेंशनर्स की यह बैठक बहुत ही सद्भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आर.पी.एफ. उ.म.रे. का वृक्षारोपण कार्यक्रम

भारत संवाद

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में उ0म0रे0 में सप्ताह भर का वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। दिनांक 04.06.2025 को सुश्री रेनू पी० छिब्बर महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे द्वारा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, सूबेदारगंज के परेड ग्राउंड में वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान आईजी महोदया ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और हरित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। रेलवे सुरक्षा बल न केवल रेलवे की सुरक्षा की जिम्मेदारी, बल्कि राष्ट्र के सतत विकास और सामाजिक सरोकारों में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में रे०सु०ब० द्वारा विभिन्न प्रयासों जैसे स्वच्छता अभियान, प्लास्टिक मुक्त परिसर, जल संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों की भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान अन्य रेलवे सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी श्री एम०सुरेश, डीआईजी आरपीएफ, श्री विजय प्रकाश पंडित, सिनियर कमाडेण्ट आरपीएफ/प्रयागराज मंडल एवं अन्य अधिकारी व स्टॉफ भी उपस्थित रहें। सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम के साथ ही सभी को आईजी महोदया द्वारा पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई तथा आम, शीशम, अमरूद, ऑवला, जामुन जैसी प्रजातियों के सैकड़ों पौधो का वृक्षारोपण किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह आयोजन रे०सु०ब० के सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत पर्यावरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का परिचायक है।

पंजीकरण के लम्बित मामले 1 माह के अन्दर निस्तारित कर दिये जायेंगे- प्रेस महापंजीयक

भारत संवाद

नई दिल्ली। भारत के प्रेस महापंजीयक योगेश कुमार बावेजा ने प्रकाशकों के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि पंजीकरण के लम्बित मामले 1 माह के अन्दर निस्तारित कर दिये जायेंगे और प्रेस सेवा पोर्टल की तकनीकी दिक्कतों को तेजी से दूर करने का प्रयास किया जायेगा। शीर्ष पत्रकार संगठनों के पदाधिकारियों ने आज ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन के अध्यक्ष व पूर्व प्रेस काउंसिल सदस्य गुरिन्दर सिंह के नेतृत्व में प्रेस महापंजीयक से मुलाकात कर समाचार पत्र प्रकाशकों के समक्ष आ रही दिक्कतों को तुरन्त हल किये जाने की जोरदार मांग की। ज्ञातव्य हो

कि प्रेस सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन व अन्य कार्यों में अपेक्षा से अधिक समय लग रहा था तथा इसमें प्रकाशकों को अनेक तकनीकी दिक्कतें आ रही थी। मीटिंग में अति. प्रेस महापंजीयक डा. धीरज काकडिया, उप प्रेस पंजीयक आशुतोष मोहले व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।प्रतिनिधिमंडल में पूर्व प्रेस काउंसिल सदस्य अशोक नवरत्न, इंडियन एसोसियशन ऑफ प्रेस-एन-मीडियामेन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी, ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन के दिल्ली प्रभारी अशोक कपूर, स्मॉल मीडियम बिग न्यूजपेपर्स सोसाइटी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार छाबड़ा, आईएपीएम के उपाध्यक्ष अर्जुन जैन, समाचार पोस्ट के सम्पादक सुशील वकील, पत्रकार ज्ञानेश्वर सिंह, सौरभ वार्ष्णेय, जे. के. मिश्रा, गौरव त्रिपाठी, व शुभम गुप्ता आदि सम्मलित थे।प्रेस महापंजीयक ने प्रकाशकों की विभिन्न समस्याएं सुनने के बाद कहा कि हम मानते हैं कि पिछले कुछ समय से प्रेस पंजीयन कार्यालय में काफी मामले लम्बित है जिन्हे एक माह के अन्दर निस्तारित करने का प्रयास जायेगा तथा प्रेस सेवा पोर्टल में जो तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं उन्हे तत्काल दूर किया जायेगा। उन्होने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर प्रदेशों की राजधानियों में स्थित पत्र सूचना कार्यालयों में प्रकाशकों को तकनीकी जानकारी देने हेतु सेमीनार/वेबनार आयोजित करने का भी आश्वासन दिया। उन्होने बताया कि हमारा उद्देश्य त्वरित गति से कार्यों को निपटाना है जो पूरी तरह फेसलैस हो, जिससे प्रकाशकों को पंजीकरण कार्यालय न आना पडे।प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने सभी जिला प्राधिकरण द्वारा प्रेस सेवा पोर्टल पर लागिन/ऑनलाइन कार्य सुनिश्चित करने हेतु पीआरजीआई द्वारा पत्र लिखे जाने की मांग की, साथ ही समाचार पत्रों की नियमितता हेतु सिंगल विंडो बनाये जाने की भी मांग की कि एक जगह समाचार पत्र की प्रति जमा कराने के बाद प्रकाशकों को अलग-अलग जगह समाचार पत्रों की प्रतियां न जमा करानी पडें। सभी प्रकाशक प्रतिनिधियों ने एक स्वर में यह भी मांग की कि प्रेस पंजीकरण के मामलों को निस्तारित किये जाने की प्रक्रिया में अनावश्यक आपत्तियां न लगाई जाए तथा प्रक्रिया का सरलीकरण कर प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

अनोखा संगम — **उधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक परियोजना**

हिमालय की गोद में तकनीक और साहस का अनोखा संगम

भारत संवाद

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना स्वतंत्रता के बाद की सबसे चुनौतीपूर्ण परियोजनाओं में से एक है। यह परियोजना इस लिहाज से भी आवश्यक है कि जम्मू-कश्मीर को भारतीय रेल नेटवर्क से जोड़ने हेतु एक वैकल्पिक और विश्वसनीय परिवहन प्रणाली है। राज्य में निर्बाध और सुविधाजनक संपर्क सुनिश्चित करने की दृष्टि से, इस परियोजना को वर्ष 2002 में राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया। परियोजना का एक भाग-कटड़ा से धरम खंड कि.मी.30.00 से कि.मी.72.390 और कि.मी.91 से कि.मी.101.635 तक (कुल 52.20कि.मी.) के कार्यान्वयन हेतु कोंकण रेलवे को सौंपा गया। इसमें कुल 44.59कि.मी. यानी 85.5%हिस्सा टनलों में, 4.6कि.मी. यानी 8.8%पुलों

पर और शेष 5.7कि.मी. कटिंग व भराव में है। इसके अतिरिक्त, कोंकण रेलवे ने 172कि.मी. की परियोजना सड़कों का निर्माण किया, जिनमें 404 मीटर लंबी सड़क सुरंग, 138 मीटर लंबा पुल (चिनाब घाटी पर) और कई अस्थायी बैली ब्रिज शामिल हैं।इस परियोजना का ट्रैक तीन प्रमुख भूगर्भीय थ्रस्ट जोनरियासी थ्रस्ट, मुरी थ्रस्ट और पीर पंजाल थ्रस्ट- से होकर गुजरता है। भूगर्भिक स्थिति बार-बार बदलती है, जिसमें ढीली कंकड़-पत्थर, मिट्टी, सिल्ट स्टोन, दरकी हुई रेत-पत्थर और डोलोमाइट चट्टानें शामिल हैं। यह क्षेत्र भूकंप संभावित क्षेत्र में आता है, जहाँ अत्यधिक तापमान और दुर्गम भूभाग के कारण भूगर्भ का पूरा पूर्वानुमान लगाना अत्यंत कठिन था।

इन बदलती परिस्थितियों को देखते हुए डिजाइन में समय-समय पर बदलाव करने पड़े। सुरंगों के स्टेशन यार्ड जैसे चौड़े खंडों का निर्माण एक कठिन कार्य था, जिसके लिए उपयुक्त तकनीकों और मशीनों की मदद ली गई। सुरंगों के पोर्टल, गहरे कटाव, पुलों और पहुँच सड़कों के लिए व्यापक इंजीनियरिंग कार्य किए गए।

परियोजना का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

पर्यटन को बढ़ावा: परियोजना के पूर्ण होने से देश के किसी भी हिस्से से पर्यटक आसानी से कश्मीर घाटी पहुँच सकेंगे।

शिक्षा के अवसर: राज्य के छात्रों को देशभर में बेहतर शैक्षणिक संस्थानों तक आसान पहुँच मिलेगी।

हर मौसम में संपर्क: यह रेलवे संपर्क जम्मू-कश्मीर को पूरे वर्ष देश के अन्य हिस्सों से जोड़े रखेगा, जिससे दूरस्थ क्षेत्रें का आर्थिक विकास संभव होगा।

सड़कों द्वारा पहुँच: कार्यस्थलों तक पहुँच के लिए 172कि.मी. सड़कों का निर्माण किया गया, जिससे कई गाँव मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

टनल निर्माण

इस खंड में कुल 16 मुख्य टनल हैं जिनकी लंबाई 44.59कि.मी. है। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा सुरंगें, क्रॉस पैसेज और एडिट्स सहित कुल 25.12कि.मी. की अतिरिक्त सुरंगें बनाई गई हैं। टनल नं.42की लंबाई 9.274कि.मी. है। सुरंगों के निर्माण में न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) और पारंपरिक तरीकों का उपयोग किया गया है।

चिनाब ब्रिज

यह परियोजना चिनाब नदी पर बनी है और यह सलाल जलविद्युत परियोजना के पास स्थित है। इस कारण चिनाब नदी पर एक मेगा पुल के निर्माण की आवश्यकता पड़ी। चिनाब ब्रिज नदी तल से 359 मीटर ऊँचाई पर स्थित है और इसकी मुख्य आर्च की लंबाई 467 मीटर है, जो दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह प्रतिष्ठित पुल चिनाब नदी के तल से 359 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जो पेरिस के प्रसिद्ध एफिल टावर से 35 मीटर अधिक ऊँचा है।

चिनाब ब्रिज की कुल लंबाई 1,315 मीटर है, जिसमें कुल 17 स्पैन लगे हैं। इनमें मुख्य आर्च स्पैन की लंबाई 467 मीटर है, जो चिनाब नदी को पार करता है। वायाडक्ट भाग में सीधा और घुमावदार भाग शामिल है। इसका घुमावदार भाग 2.74 डिग्री के तीव्र मोड़ पर है।

शिक्षा कर व्यवसायीकरण सम्बन्धी विधान परिषद की समिति के मा0 सभापति की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

प्राथमिक विद्यालयों सहित सभी माध्यमिक/उच्च/प्राविधिक व इंजीनियरिंग कालेजो में रखवाया जाए फरूड एड बाक्स-डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह

भारत संवाद

मीरजापुर , उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षा की व्यवसायीकरण सम्बन्धित जांच समिति के मा0 सभापति डॉ0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह गुरू जी की अध्यक्षता में एवं विधान परिषद समिति के मा0 सदस्य श्री अंगद सिंह व मा0 सदस्य श्री विजय कुमार पाठक की उपस्थिति में जनपद मीरजापुर, सोनभद्र व भदोही के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक स्थानीय जिला पंचायत सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी मीरजापुर प्रियंका निरंजन, जिलाधिकारी सोनभद्र बी0एन0 सिंह, भदोही शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र व भदोही के अलावा उप सचिव/समिति अधिकारी मुनेश कुमार, प्रतिवेदक सुधीर कुमार के अलावा मुख्य विकास अधिकारी मीरजापुर विशाल कुमार, भदोही शिवाकान्त द्विवेदी व अन्य सम्बन्धित सभी विभागो के अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में मा0 सभापति व मा0 सदस्यगण के द्वारा शिक्षा का व्यवसायीकरण पर प्रभावी रोक लगाए जाने एवं शिक्षा विभाग से सम्बन्धित अन्य विचारणीय 32 एजेंण्डा बिन्दुओ पर विस्तृत चर्चा करते हुए जानकारी प्राप्त की गई। बैठक में इंजीनियरिंग कालेज, मैनेजमेंट/ डिप्लोमा कालेज, आई0टी0आई0 कालेजो एवं फामेसी राजकीय व निजी कालेजो के सम्बन्ध में वर्ष 2021-2022, 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में पढ़ने वाले छात्र की हुइ दुर्घटना के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि इन कालेजो में पढ़ने वाले छात्रो के लिए दुर्घटना की स्थिति में उनकी एवं उनके अभिभावको की क्षतिपूर्ति हेतु अभियान चलाकर इंश्योरेंस करवाए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रयास किया जाए कि मा0 प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत भी लोगो को आच्छादित किया जाए। उन्होंने सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाचार्य राजकीय पालीटेक्निक व प्रधानाचार्य आई0 टी0 आई0 को निर्देशित करते हुए कहा कि पुलिस विभाग व परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर छात्रो के साथ होने वाले दुर्घटनाओ से सम्बन्धित आकड़ो को एकत्र करते हुए आख्या उपलब्ध कराई जाए। बैठक में छात्रो से ली जाने वाली फीस व काशन मनी की समीक्षा की गई तथा निर्देशित किया गया कि छात्रो द्वारा जमा की जाने वाली काशन मनी धनराशि की वापसी के लिए कोषपूर्ण होने के पश्चात विद्यालय छोड़ने के समय ही अनिवार्य रूप से उनके खाते में स्थानांतरित करते हुए वापस कर दी जाए। तत्पश्चात समिति द्वारा विद्यालयों में छात्रो को लाने ले जाने हेतु संचालित वाहनो के पंजीकरण एवं चालक/परिचालको का वैरीफिकेशन व स्वास्थ्य परीक्षण पर बल देते हुए

3 पशु चोर गिरफ्तार, एक भैंस बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस ने तीन शातिर पशु चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक भैंस भी बराद किया है। थाना कुतुबशेर प्रभारी एच.एन.सिंह ने बताया कि 3 जून 2025 को वकील पुत्र जमील निवासी अब्दुल मजीद कालोनी मूसा पैलेस निकट अब्दुील मजीद मस्जिद ने लिखित तहरीर थाने पर देकर बताया कि उसकी भैंस चोरी हो गयी है, जिस पर पुलिस ने मु.अ.स. 170/25 पंजीकृत किया गया। आज मुखबिर की सूचना थाना कुतुबशेर पुलिस ने 4 शातिर पशु तस्करों को कोलागढ के ग्रीन पार्क की तरफ जाने वाले कट पर से गिरफ्तार कर लिया। जिनके कब्जे से चोरी की एक भैंस भी बरामद की गयी। चोरों ने बताया कि उनके द्वारा गत रात्रि में अब्दुल मजीद कालोनी से उक्त भैंस चोरी की थी। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कुतुबशेर एच.एन.सिंह, एसआई जयवीर सिंह, मुख्य आरक्षी सचिन कुमार, सन्नी राणा, सुभाष, अमित भाटी, आशीष कुमार शामिल रहे। ये पशु चोर हुए गिरफ्तारसाहिल, शाहजाब पुत्रगण शाकिर निवासी गली नं.20 पीरवाली गली थाना मण्डी, समीर पुत्र शफीक निवासी इनाम कालोनी, बाल अपचारी को हिरासत में लिया।

कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं, समय से कार्य पूरा करें: मंडलायुक्त

स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का मंडलायुक्त/स्मार्ट सिटी चेयरमैन ने किया निरीक्षण

भारत संवाद

सहारनपुर। मंडलायुक्त/स्मार्ट सिटी चेयरमैन अटल कुमार राय ने आज स्मार्ट सिटी की अधूरी परियोजनाओं हैबीटेट सेंटर, स्मार्ट गैराज, हकीकत नगर स्थित सिनियर सिटीजन सेंटर एवं वूमेन हॉस्टल तथा ढमोला के निकट निमार्णाधीन पुल की रिटेनिंग वाल का निरीक्षण किया और समस्त परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ जल्दी से जल्दी पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी दी कि काम में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी और जो समय बद्धता के साथ कार्य पूरा नहीं करेगी उसे ब्लैक लिस्ट किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त शिपू गिरि व विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी भी मौजूद रहे।

मंडलायुक्त अटल राय आज सुबह अंबाला रोड स्थित हैबीटेट सेंटर पहुंचे। वहां मैप पर उन्होंने कार्य प्रगति की जानकारी ली। मुख्य अभियंता निर्माण बी के सिंह ने बताया कि मार्च तक कार्य पूरा किया जाना था लेकिन जनवरी से कार्य बंद रहने के कारण काफी विलंब हो गया है। स्मार्ट सिटी चेयरमैन राय ने कहा कि काम में तेजी लाएं, आगे बारिश में काम करना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि परिसर का कार्य पहले पूरा कर ले ताकि वर्षा के समय इंटरनल कार्य पूरा किया जा सके। नगरायुक्त ने कहा कि रात में भी काम कराएं, उन्होंने कार्यदायी संस्था को मजदूरों की संख्या बढ़ाकर तीन शिफ्टों में कार्य कराने के निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था ने अगस्त माह तक कार्य पूरा करने के लिए आश्वस्त किया।

स्मार्ट गैराज का निरीक्षण करते हुए मंडलायुक्त/स्मार्ट सिटी चेयरमैन ने कार्यदायी संस्था से पूछा कि कितना कार्य पूरा हो चुका है, बाकि कार्य में और कितना समय लगेगा। उन्होंने बारिश के पानी की निकासी का प्रबंध ठीक से करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने स्मार्ट गैराज का कार्य हर हाल में जून में पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें किसी तरह की कोई कोताही बर्दाशत नहीं की जायेगी। उन्होंने ढमोला के निकट बन रहे नये पुल की रिटेनिंग वॉल का भी निरीक्षण किया और वाल पर लाइट व रिफलेक्टर लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से पूछा कि काम कैसा हो रहा है ? लोगों ने गुणवत्ता की तारीफ की। अधिकारियों ने पुल निर्माण में आ रही बाधाओं से भी मंडलायुक्त को अवगत कराया।

हकीकत नगर में उन्होंने वूमेन हॉस्टल के निरीक्षण के दौरान परिसर में फैले मलवे को हटवाकर व्यवस्थित ढंग से कार्य करने के निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के परियोजना प्रबंधक ने पूछने पर बताया कि वे जून तक कार्य पूरा करा देंगे। लेकिन जब मंडलायुक्त ने ऊपरी मंजिलों पर जाकर देखा तो काफी काम बाकि था। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि अभी वॉशरुम तक का काम पूरा नहीं हुआ है।

फास्ट ट्रैक

आइजीआरएस रैंकिंग में गिरावट पर जिलाधिकारी ने जताई नाराजगी, विभागीय अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

अलीगढ़ (सू0वि0): जन शिकायत निवारण प्रणाली, आइजीआरएस पर जिले की गिरती रैंकिंग को लेकर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलैक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापरक निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, ऐसे में इसमें लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रमोद कुमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक विभाग शिकायतों की स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग करे और लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करे। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि फीडबैक की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि शिकायतकर्ता संतुष्ट हो। बैठक में ऑनलाइन माध्यम से कार्यालय वार शिकायतों एवं असंतोष जनक निस्तारण एवं फीडबैक के बारे में अधिकारियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर्स को समझाया गया। मई माह में नगर निगम पर 22, एसडीएम कोल पर 19 एवं एसडीएम इगलास के यहां 9 सन्दर्भ डिफाल्टर पाए गए। इसी प्रकार से जून माह में अब तक 17 डिफाल्टर विभिन्न विभागों में पाए गए। एडीएम ने कहा कि रैंकिंग में सुधार लाने के लिए सभी विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी लें और नियमित समीक्षा करें। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक का संचालन ईडीएम मनोज राजपूत द्वारा किया गया।

आबकारी विभाग के छापेमारी अभियान में हरदुआगंज क्षेत्र में अवैध शराब बरामद

अलीगढ़ (सू0वि0): उप आबकारी आयुक्त अलीगढ़ प्रभार के निदेर्शानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 वरुण नायक द्वारा बुधवार को मय आबकारी स्टाफ एवं पुलिस बल के साथ थाना हरदुआगंज अंतर्गत ग्राम इब्राहिमाबाद में संयुक्त रूप से दबिश दी गई।दबिश के दौरान 25 अदद जय वीरू ब्रांड के अवैध पौव्वे (200 एम0एल0 धारिता) बरामद किए गए और अवैध रूप से शराब विक्रय करते हुए राकेश कुमार पुत्र राम खिलाड़ी को मौके से गिरफ्तार किया गया। उक्त प्रकरण में थाना हरदुआगंज में धारा 60(1) उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1910 (यथा संशोधित) के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई गई है।

डबल इंजन की सरकार में विकास की बयार: मेयर

सहारनपुर।देश व प्रदेश में चल रही डबल इंजन की सरकार द्वारा जगह-जगह चाहू मुखी विकास हो रहा है और उत्तर प्रदेश एक आदर्श प्रदेश बनकर उभर रहा है जगह-जगह सड़कों का निर्माण नालियों का निर्माण हो रहे हैं तथा जल की पूर्ति करने के लेकर पंपों का निर्माण किया जा रहा है इसी कड़ी में आज महापौर डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा वार्ड 58 में 30 लख रुपए की लागत से मोहल्ला कायस्थान जैन अतिथि भवन के सामने किया जा रहा है वह वार्ड 3 में भी 30 लख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क का आज लोकार्पण किया गया जिसमें महापौर डॉक्टर अजय सिंह वे महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई के साथ-साथ स्थानीय निवासियों व पार्षदों ने भी हिस्सा लिया और नारियल फोड़ कर सड़क का शुभारंभ किया इस अवसर पर जानकारी देते हुए मां को डॉक्टर अजय सिंह वे महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई में बताया कि हम अपने शहर में विकास के लिए कटिबंध है और इसी कड़ी में प्रत्येक दिन कई वार्डों में सड़कों नलकूपों में नालियों के उद्घाटन हो रहे हैं और आने वाले समय में सभी वार्डों की समस्या समाप्त हो जाएगी और स्थानीय निवासियों को नई-नई सड़के में नालियों का निर्माण देखने को मिलेगा और उनको किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा इसको लेकर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद किया कि उनके द्वारा प्रत्येक शहर के विकास को लेकर योजनाएं बनाई जा रही हैं उसके अंतर्गत भरपूर मात्रा में धन भेजा जा रहा है जिससे कि सभी जगह का विकास हो सके इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्षद अनुज जैन,पार्षद मयंक गर्ग,पार्षद वीर सिंह सिद्धू,मंडल अध्यक्ष मनोज तायल के अलावा स्थानीय निवासी यह भी मौजूद रहे

आज दशहरा पर गंगा स्नान कर हों पापों से मुक्त : स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज

निर्जला एकादशी व्रत 06 जून शुक्रवार को

भारत संवाद

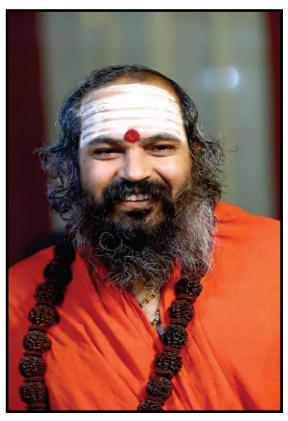

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है।इसी दिन महादेव की जटाओं से मां गंगा धरती पर अवतरित हुई थी। यही वजह है कि इसे विशेष रूप में से मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान करने से वर्ष भर के किये हुए पाप नष्टहो जाते है, गंगा स्नान के बाद दान करने से विशेष लाभ प्राप्त होते हैं।मां गंगा व्यक्ति की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। पितृ दोष से छुटकारा मिलता है। इसके साथ ही कुंडली में ग्रहों की स्थिति भी ठीक होती है। उक्त जानकारी वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख ज्योतिर्विद स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज ने दी। स्वामी जी ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि इस वर्ष गंगा दशहरा का महत्त्व विशेष बढ़ गया है,इसकी वजह दशहरा पर तीन अद्भुत संयोगों का बनना है।यह संयोग एक या दो नहीं, बल्कि पूरे 100 साल बाद बन रहे हैं। इन संयोग से गंगा स्नान करने बाले भक्तों की बल्ले बल्ले हो जाएगी। दशहरा स्नान का प्रारम्भ 05 जून गुरुवार को प्रातः (भोर) में 3 बजकर 35 मिनट पर हस्त नक्षत्र, सर्वार्थसिद्धि योग तथा सिद्धि योग में होगया। दशमी तिथि 4 जून की देर रात्रि 11:54 से 06 जून की भोर (प्रातः) 02:15 तक रहेगी इसीके साथ निर्जला एकादशी व्रत प्रारम्भ हो जायेगा जोकि 07 जून शनिवार की भोर 04:47 बजे एकादशी तिथि समाप्त हो जाएगी। अतः श्रद्धालु 5 जून को पूरे दिन स्नान-दान कर पुण्य प्राप्त कर शुक्रवार को निर्जला एकादशी व्रत कर सकेंगे। इस बा? 5 जून गुरुवार को भोर 03:35 से सुबह 05:15 तक तथा पुनः सुबह 9.13 तक गंगा स्नान विशेष शुभफल दायी रहेगा।गंगा दशहरा के दिन गंगा तट पर या घर के पूजा स्थान में दीप जलाकर जल में प्रवाहित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे पितर तृप्त होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।इस दिन हर हर गंगे का उच्चारण करते हुए गंगा नदी में स्नान करें,यदि संभव न हो तो घर पर स्नान के जल में कुछ बूंदें गंगाजल मिलाकर स्नान करें। ऐसा करने से मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक पवित्रता प्राप्त होती है।गर्मी से राहत देने वाली वस्तुएं जैसे जल से भरे घड़े, चप्पल, छाता, सत्तू, कपड़े, पंखे आदि का दान करना पुण्यकारी होता है।गंगा मां के साथ भगवान शिव का अभिषेक करें। शास्त्रों के अनुसार, शिवजी ने गंगा को अपनी जटाओं में धारण किया था। इसलिए इन दोनों की संयुक्त पूजा विशेष फलदायी मानी गई है।ह्यॐ नमः शिवायह्ल या ह्यॐ गंगायै नमःह्ल मंत्र का जाप करें। व्रत रखकर मन, वाणी और कर्म को संयमित रखें। यह आत्मिक उन्नति का उत्तम अवसर है।

प्रदूषित पर्यावरण को रोकने के लिए जनजागरण अभियान तथा औषधियुक्त पेड़ों का लगाना आवश्यक: शीतल टण्डन

भारत संवाद

सहारनपुर। पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों में प्रत्येक 5 जून को मनाये जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व

संध्या पर उ.प्र. उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई की पर्यावरण समिति के तत्वावधन में स्थानीय रेलवे रोड पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि कहा कि प्रदूषित पर्यावरण को कम करने व निरंतर वनों के कटान को रोकने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की नितांत आवश्यकता है साथ ही पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए अधिक से

अधिक वृक्षारोपण किया जाना चाहिए क्योंकि वृक्ष वातावरण के सच्चे मित्र हैं। श्री टण्डन ने कहा कि प्रकृति द्वारा मानव को दी गयी प्राकृतिक व अनमोल सम्पत्ति हमारे वन और जंगल हैं, जो लगातार कम होते जा रहे हैं। यही स्थिति रही तो धरती पर जीवन सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि जिला व्यापार मण्डल द्वारा प्रदूषित पर्यावरण को कम करने के सम्बन्ध में पिछले अनेक वर्षों से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। श्री टण्डन ने कहा कि अब जबकि सहारनपुर को स्मार्ट सिटी में शामिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि हम सबका दायित्व है कि हम अपने आसपास साफ सफाई रखें और औषधियुक्त पेड़ लगायें। वायु ध्वनि एवं जल प्रदूषण की यथासंभव रोकथाम करें। जनसंख्या की विकरालता को रोकना हम सबका दायित्व है, क्योंकि पर्यावरण हमारे पृथ्वी पर रहने वाले जीव जन्तु वायु वनस्पति से मिलकर बनता है। श्री टण्डन ने कहा कि विकास की दौड़ में दुनिया को बहुत कुछ दिया है, परंतु बहुत कुछ ज्यादा हमसे छीन भी लिया है। जहां इस विकास में नये उत्पादन में नई से नई तकनीकें दी हैं, विज्ञान के उपहार दिये हैं। भारी संख्या में उद्योग दिये हैं, वहीं इससे प्रकृति की निकटता, शान्त रम्य वातावरण, चैन की नींद व स्वच्छ वातावरण के वरदान हमसे छीन लिये हैं। संसाधनों के साथ मोबाइल फोन के जरिये ढूंढना व सम्पर्क करना बहुत आसान तो हो गया है परंतु ज्यादा मोबाइल के प्रयोग करने से भी होने वाली हानियों से हमें जागरूक रहना होगा।

श्री टण्डन ने कहा कि पर्यावरण की शुद्धि के लिए यज्ञ आदि भी समय -समय पर करने चाहिए। आज के वैज्ञानिक युग में प्रदूषण की रोकथाम के लिए जहां निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन इन सबसे अलग हटकर वैचारिक प्रदूषण से ग्रस्त बेहद चिंता का विषय है। हमें अपने मनों से भी वैचारिक प्रदूषण को भी दूर करना होगा।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन,जिला महामंत्री रमेश अरोडा, मेजर एस.के.सूरी, पवन कुमार गोयल, रमेश डावर, राजीव अग्रवाल, संजय महेश्वरी, मुरली खन्ना, भोपाल सिंह सैनी, प्रवीन चांदना, अशोक मलिक, संजीव सचदेवा आदि व्यापारी प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिए चलाया जाएगा एक माह का विशेष अभियान

भारत संवाद

अलीगढ़ , (सू0वि0): आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल संगीता सिंह ने जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक यातायात को निर्देशित किया है कि दुपहिया वाहनों पर तीन या चार सवारियों के बैठने एवं बिना हेलमेट चलने जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जो सड़क यातायात नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। इस पर प्रभावी नियंत्रण एवं आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद अलीगढ़ में एक माह का विशेष सड़क यातायात सुरक्षा अभियान संचालित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत नियमों के उल्लंघन पर प्रवर्तन की कार्रवाई, चालान, जुमार्ना एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाएगा। आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल दंडात्मक न होकर शिक्षाप्रद भी होगा, ताकि नागरिकों को सुरक्षित वाहन संचालन की जानकारी दी जा सके और दुर्घटनाओं की संभावना न्यूनतम की जा सके। पुलिस अधीक्षक यातायात को निर्देशित किया गया है कि अभियान की समाप्ति के उपरांत की गई सभी प्रवर्तन कार्यवाहियों तथा जुमार्ने की विस्तृत आख्या समयबद्ध रूप से प्रस्तुत की जाए। उन्होंने इस अभियान को शीर्ष प्राथमिकता पर लेते हुए समस्त संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ऑपरेशन जागृति फेज-4 में अमूतपूर्व योगदान के लिए न्याय सहायक नवीन जैन को मिला प्रशस्ति पत्र

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): ऑपरेशन जागृति फेज-4 में महत्वपूर्ण योगदान के लिए मण्डलायुक्त कार्यालय के न्याय सहायक नवीन जैन को अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ द्वारा भेजा गया प्रशस्ति पत्र बुधवार को आयुक्त अलीगढ़, मण्डल अलीगढ़ संगीता सिंह ने न्याय सहायक नवीन जैन ने सौंपते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने अपेक्षा करते हुए कहा कि वह इसी प्रकार कर्मठता और सत्यनिष्ठा से कार्य करते रहेंगे और अन्य कार्मिकों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे।

केदारनाथ में भंडारे के लिए खाद्य सामग्री से भरा वाहन को हरी झंडी दिखाकर राज्यमंत्री ने किया रवाना

भारत संवाद

देहरादून ।प्रत्येक वर्ष केदारनाथ धाम में लगने वाले निःशुल्क भण्डारे की खाद्य सामग्री से भरे वाहनों को आज उत्तराखण्ड सरकार के आयुर्वेद राज्य मंत्री भुवन विक्रम डबराल एवं महिला आयोग राज्यमंत्री ऐश्वर्या रावत, भगवती महाराज ने सहसपुर भाऊवाला से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर भगवती महाराज जानकारी देते हुए बताया कि अतिथि देव भण्डारा सभी लोगों के सहयोग से चलाया जाता है, ताकि चार धाम की यात्रा करने वालों को भोजन की उचित व्यवस्था करायी जा सके। उन्होंने बताया कि उक्त भण्डारा आगामी 10 जून से प्रारंभ होकर 41 दिनों तक अविरल चलता रहेगा। यह कार्य धर्मपरायण लोगों के सहयोग से कराया जाता है। श्री महाराज ने कहा कि सहयोगकर्ता इस बात के लिए बधाई के पात्र है कि वह श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था कर रहे हैं। यह वास्तव में धर्म परायण कार्य हैं, जिसमें सभी को आहूति देनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि मनोज कुमार, हरीश सामंत, रमन चैधरी, मिता सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा के सहयोग से खाद्य सामग्री भेजी जा रही है, जिसके लिए ये लोग बधाई के पात्र हैं।

भाव

श्रीराम कथा के मंच से पूज्य संतों ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी को समर्पित किये अपने भाव

मासिक मानस कथा में पूज्य संतों का पावन सान्निध्य

भारत संवाद

- जगद्गुरू स्वामी कृष्णाचार्य जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी दयारामदास जी महाराज, डा साध्वी भगवती सरस्वती जी, पंडित श्री रवि प्रपन्नाचार्य जी, राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष श्री जगदिश परमार्थी जी का श्रीराम कथा में पावन सान्निध्य
- राजस्थान की धरती मीरा बाई, भामाशाह, महाराणा प्रताप जैसे महापुरूषों की दिव्य धरती

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आयोजित मासिक श्रीराम कथा के पावन अवसर पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज के प्राकट्य दिवस के दूसरे दिन एक दिव्य आध्यात्मिक संगम था।इस अवसर पर पूज्य संतों, विद्वानों एवं भक्तगणों ने पूज्य स्वामी जी के सेवा-समर्पणमय जीवन को नमन किया।जगद्गुरू स्वामी कृष्णाचार्य जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी दयारामदास जी महाराज, डा साध्वी भगवती सरस्वती जी, संत श्री मुरलीधर जी, पंडित श्री रवि प्रपन्नाचार्य जी, तथा राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष श्री जगदीश परमार्थी जी सहित अनेक संतों और विद्वानों ने श्रीराम कथा में सहभाग कर अपने भावों को समर्पित किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि राजस्थान की पावन भूमि समाजसेवियों की भूमि है, वहाँ वैदिक विश्व विद्यालय एवं वेलनेस विश्वविद्यालय की स्थापना की पर भी विचार मंथन किया गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती मीरा बाई, भामाशाह, और महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों की धरती है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर देश-विदेश से आए संतों, भक्तों, विद्वानों के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों से प्राप्त अनेकों संदेशों, आशीवार्दों एवं शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला पंचायत के अधिकारियों की कार्यशैली के विरोध में धरना दिया

भारत संवाद

सहारनपुर। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी की कार्यशैली के विरोध में आज जिला पंचायत के सदस्यों ने पंचायत कार्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर धरना दिया और जिला पंचायत अध्यक्ष को एक ज्ञापन भी दिया।

आज सुबह जिला पंचायत सदस्य जिला पंचायत कार्यालय पहुंचे और अपर मुख्य अधिकारी के कार्य शैली के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला जड़ दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। जिला पंचायत सदस्यों का कहना है कि अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत के निर्माण कार्यों को बाधित कर रहे हैं जिस कारण वह अपने क्षेत्र का विकास नहीं कर पा रहे हैं उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी अपने कार्यालय में नहीं बैठते उनका मिलने का कोई समय निर्धारित नहीं है जिस कारण जिला पंचायत होने वाले विकास कार्य बाधित हो रहे हैं उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने उन्हें अपना प्रतिनिधि चुना है और विकास के लिए उन पर दबाव बनाए जा रहा है।

जिला पंचायत सदस्यों ने जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम को दिए ज्ञापन में कहा कि अपर मुख्य अधिकारी उनकी बात नहीं सुनते और ना ही विकास कार्य को कर रहे हैं उन्होंने कहा कि ईद उल अजहा पर्व के कारण साफ सफाई की व्यवस्था बाधित हो रही है और अगले तीन माह में बरसात के कारण विकास कार्य नहीं कराया जा सकते और उसके बाद उनका कार्यकाल समाप्त होने वाला है ऐसे में जिला पंचायत सदस्यों के सामने विकास कार्य कराये जाने की बड़ी समस्या बन रही है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

नादेव कम्पोस्ट क्या है

श्री नारायण देवराव पानधारी पान्डे, निवासी-ग्राम-पुसाद, जिला यवतमाल, महाराष्ट्र द्वारा यह विधि विकसित की गयी है। इसमें ईटों का एक ढॉचा बनाते हैं, जिसका आकार 2 मीटर चैड़ा, 3.5 मीटर लम्बा तथा 1 मीटर ऊँचा होता है। ढॉचे की जुड़ाई पक्के गारे से की जाती है, ताकि ढॅाचे का प्रयोग लम्बे समय तक किया जा सके। इसकी दीवारों में कुछ छेद छोड़े जाते हैं, ताकि समय-समय पर आवश्यकता पड़ने पर पानी का छिड़काव किया जा सके एवं वायु संचार होता रहे। इस ढॅाचे के अन्दर खेत, खलिहान, घर एवं रसोई से प्राप्त फसल अवशेष, गोबर, पानी एवं मिट्टी की मात्रा के साथ सड़ाया जाता है। इस विधि से सड़ी खाद बहुत उच्च गुणवत्ता की होती है, तथा बेकार अनुपयोगी पदार्थो का प्रयोग हो जाता है।

ढॅाचा बनाने की विधि

9 इंच मोटी ईंट की चिनाई ऊपर दी गयी लम्बाई, चैड़ाई के अनुसार बनाते हैं। प्रथम तीन पंक्तियों में कोई छेद नहीं होता, चैथी, छठी, आठवीं दसवीं पंक्ति की चिनाई में एक फुट के अन्तराल पर 5 इंच चैड़ाई का एक छेद बनाते जाते है। ग्यारहवी, बारहवीं एवं तेरहवीं पंक्ति में पुनः कोई छेद नहीं छोड़ जाते हैं। ढॅाचे के अन्दर की जमीन को ईंट बिछाकर पक्का कर देता है।

विधि

40-50 किग्रा. गोबर 100-150 लीटर पानी में घोल कर ढॅाचे की तह पर डाल देते हैं।

8 इंच मोटी कचरे की तह दबा-दबा कर बिछाते है फिर 30-40 किग्रा. गोबर 100-125 लीटर पानी का घोल कचरे के ऊपर डालते हैं तत्पश्चात लगभग 100 किग्रा. मिट्टी को ऊपर बिछाते हैं।

यह क्रिया ढॅाचे की ऊँचाई से 10-12 इंच ऊपर भरने तक दुहराते हैं।

बाद में गोबर एवं मिट्टी की मोटी परत लगाकर ढॅाचे को ऊपर से बंद कर देते हैं। 70-80 दिन बाद गड्ढे के ऊपर 15-20 छेद मोटे डन्डे की सहायता से बना देते है तथा 10 लीटर गौ मूत्र में पी.एस.बी., एजेटोवैक्टर कल्चर के पैकेट, 2 किग्रा. गुड़ एवं 100 ग्राम हवन की राख को मिलाकर घोल तैयार कर लेते हैं। उक्त घोल को छेदों में डालकर छेदों को पुनः बन्द कर देते हैं तत्पश्चात् 30-40 दिन उपरान्त खाद तैयार हो जाती है इस प्रकार एक बार की खाद 100 से 120 दिन में पूर्ण रूपेण तैयार हो जाती है।

खाद निकालने एवं रखने की विधि

100 से 120 दिन के उपरान्त खाद को निकालकर छनने से छान लेते हैं तथा बगैर सड़े पदार्थ को अलग कर लेते है और किसी छायादार स्थान में खाद को ढक कर रखते हैं बगैर सड़े पदार्थ को पुनः भराई में प्रयोग करते हैं। इस प्रकार एक अच्छी सड़ी खाद प्राप्त होती है। वर्ष में तीन बार भराई करने से लगभग 100 कुन्तल खाद प्राप्त होती है।

खाद में तत्वों की उपलब्धता

नत्रजन 0.75 से 1.75 प्रतिशत।
फास्फोरस 0.70 से 0.90 प्रतिशत।
पोटाश 1.20 से 1.40 प्रतिशत।
सूक्ष्म तत्व पौधों/फसलों की आवश्यकतानसार।

ढॅाचा भरने के विधि एवं सामग्री

क्र.सं.	मद	इकाई
1	कचरा	20-25 कुन्टल
2	मिट्टी	5-10 कुन्टल
3	गोबर	3-4 कुन्टल
4	पानी	800-1200 लीटर
5	पी.एस.बी. कल्चर	4 पैकेट
6	एजेटोबैक्टर	4 पैकेट
7	गौ मूत्र	10 लीटर
8	गुड	2 किग्रा.
9	हवन की राख	100 किग्रा.

खाद प्रयोग की मात्रा एवं विधि

दलहनी एवं तिलहनी फसलों में 50 से 60 कुन्तल प्रति हेक्टर, गेहूँ-धान आदि में 90 से 100 कुन्तल प्रति हेक्टर, सब्जी वाली फसलों में 120-150 प्रति हेक्टर खाद प्रथम जुताई के समय प्रयोग की जाती है।

किसी भी एक खेत तें लगातार तीन वर्ष तक उपरोक्त खाद का प्रयोग करते हुए फसल चक्र के सिद्धान्त का पालन किया जायें तो प्रथम वर्ष में रासायनिक उर्वरकों की मात्रा का 50 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 75 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 100 प्रतिशत प्रयोग बन्द किया जा सकता है एवं भरपूर उपज भी ली जा सकती है।

नादेव कम्पोस्ट प्रयोग के लाभ

- यदि किसी भी खेत में वर्ष में एक बार फसल लेने के पूर्व नादेव कम्पोस्ट का प्रयोग किया जाये ताकि लगातार तीन वर्ष तक प्रयोग किया जाये तो खेत एवं फसल पर निम्नांकित प्रभाव पड़ता है।
- चौथे वर्ष रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग बन्द किया जा सकता है।
- भूमि में पानी धारण करने की क्षमता बढ़ जाती है तथा गेहूँ जैसी फसल को एक पानी कम देने से पैदावार पूरी प्राप्त होती है।
- फसलों में कीट/व्याधि के प्रकोप को 50-75 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।
- फसलों से प्राप्त उपज का स्वाद अच्छा होता है। बाजार में 10-20 प्रतिशत अधिक मूल्य पर बेची जा सकती है।
- मीन को ऊसर/बंजर होने से बचायी जा सकती है।
- खेती की लागत 20 प्रतिशत घटाई जा सकती है।

जीरो बजट प्राकृतिक खेती

महात्मा गांधी के सोलह आना सच्चे इस वाक्य को ध्यान में रखकर जीरो बजट प्राकृतिक खेती की जाये, तो किसान को न तो अपने उत्पाद को औने-पौने दाम में बेचना पड़े और न ही पैदावार कम होने की शिकायत रहे। लेकिन सोना उगलने वाली हमारी धरती पर खेती करने वाला किसान लालच का शिकार हो रहा है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाले इस देश में रासायनिक खेती के बाद अब जैविक खेती सहित पर्यावरण हितैषी खेती,एग्रो इकोलोजीकल फार्मिंग,बायोडायनामिक फार्मिंग, वैकल्पिक खेती,शाश्वत कृषि,सावयव कृषि, सजीव खेती, सांद्रिय खेती, पंचगव्य, दशगव्य कृषि तथा नडेप कृषि जैसी अनेक प्रकार की विधियां अपनाई जा रही हैं और संबंधित जानकार इसकी सफलता के दावे करते आ रहे हैं। परन्तु किसान भ्रमित है। परिस्थितियां उसे लालच की ओर धकेलती जा रही हैं। उसे नहीं मालूम उसके लिये सही क्या है ? रासायनिक खेती के बाद उसे अब जैविक कृषि दिखाई दे रही है। किन्तु जैविक खेती से ज्यादा सस्ती,सरल एवं ग्लोबल वार्मिंग (पृथ्वी के बढ़ते तापमान) का मुकाबला करने वाली जीरो बजट प्राकृतिक खेती÷ मानी जा रही है।

सफल उदहारण : गाय से प्राप्त सप्ताह भर के गोबर एवं गौमूत्र से निर्मित घोल का खेत में छिड़काव खाद का काम करता है और भूमि की उर्वरकता का ह्रास भी नहीं होता है। इसके इस्तेमाल से एक ओर जहां गुणवत्तापूर्ण उपज होती है, वहीं दूसरी ओर उत्पादन लागत लगभग शून्य रहती है। राजस्थान में सीकर जिले के एक प्रयोगधर्मी किसान कानसिंह कटराथल ने अपने खेत में प्राकृतिक खेती कर उत्साह वर्धक सफलता हासिल की है । श्री सिंह के मुताबिक इससे पहले वह रासायिक एवं जैविक खेती करता था, लेकिन देसी गाय के गोबर एवं गोमूत्र आधारित जीरो बजट वाली प्राकृतिक खेती कहीं ज्यादा फायदेमंद साबित हो रही है। प्राकृतिक खेती के सूत्रधार महाराष्ट्र के सुभाष पालेकर की मानें तो जैविक खेती के नाम पर जो लिखा और कहा जा रहा है, वह सही नहीं है। जैविक खेती रासायनिक खेती से भी खतरनाक है तथा विषैली और खर्चीली साबित हो रही है। उनका कहना है कि वैश्विक तापमान वृद्धि में रासायनिक खेती और जैविक खेती एक महत्वपूर्ण यौगिक है। वर्मीकम्पोस्ट का जिक्र करते हुये वे कहते हैं...यह विदेशों से आयातित विधि है और इसकी ओर सबसे पहले रासायनिक खेती करने वाले ही आकर्षित हुये हैं, क्योंकि वे यूरिया से जमीन के प्राकृतिक उपजाऊपन पर पड़ने वाले प्रभाव से वाकिफ हो चुके हैं।

पर्यावरण पर असर : कृषि वैज्ञानिकों एवं इसके जानकारों के अनुसार फसल की बुवाई से पहले वर्मीकम्पोस्ट और गोबर खाद खेत में डाली जाती है और इसमें निहित 46 प्रतिशत उड़नशील कार्बन हमारे देश में पड़ने वाली 36 से 48 डिग्री सेल्सियस तापमान के दौरान खाद से मुक्त हो वायुमंडल में निकल जाता है। इसके अलावा नायट्रस, ऑक्साइड और मिथेन भी निकल जाती है और वायुमंडल में हरितगृह निर्माण में सहायक बनती है। हमारे देश में दिसम्बर से फरवरी केवल तीन महीने ही ऐसे है, जब तापमान उक्त खाद के उपयोग के लिये अनुकूल रहता है।

आयातित केंचुआ या देसी केंचुआ? : वर्मीकम्पोस्ट खाद बनाने में इस्तेमाल किये जाने वाले आयातित केंचुओं को भूमि के उपजाऊपन के लिये हानिकारक मानने वाले श्री पालेकर बताते है कि दरअसल इनमें देसी केचुओं का एक भी लक्षण दिखाई नहीं देता। आयात किया गया यह जीव केंचुआ न होकर आयसेनिया फिटिडा नामक जन्तु है, जो भूमि पर स्थित काष्ट पदार्थ और गोबर को खाता है। जबकि हमारे यहां पाया जाने वाला देशी केंचुआ मिट्टी एवं इसके साथ जमीन में मौजूद कीटाणु एवं जीवाणु जो फसलों एवं पेड़- पौधों को नुकसान पहुंचाते है, उन्हें खाकर खाद में रूपान्तरित करता है। साथ ही जमीन में अंदर बाहर ऊपर नीचे होता रहता है, जिससे भूमि में असंख्यक छिद्र होते हैं, जिससे वायु का संचार एवं बरसात के जल का पुर्नभरण हो जाता है । इस तरह देसी केचुआ जल प्रबंधन का सबसे अच्छा वाहक है । साथ ही खेत की जुताई करने वाले हल का काम भी करता है ।

जीरो बजट प्राकृतिक खेती क्या है?

जीरो बजट प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर एवं गौमूत्र पर आधारित है।एक देसी गाय के गोबर एवं गौमूत्र से एक किसान तीस एकड़ जमीन पर जीरो बजट खेती कर सकता है।देसी प्रजाति के गौवंश के गोबर एवं मूत्र से जीवामृत, घनजीवामृत तथा जामन बीजामृत बनाया जाता है।इनका खेत में उपयोग करने से मिट्टी में पोषक तत्वों की वृद्धि के साथ-साथ जैविक गतिविधियों का विस्तार होता है।जीवामृत का महीने में एक अथवा दो बार खेत में छिड़काव किया जा सकता है।जबकि बीजामृत का इस्तेमाल बीजों को उपचारित करने में किया जाता है।इस विधि से खेती करने वाले किसान को बाजार से किसी प्रकार की खाद और कीटनाशक रसायन खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती है।फसलों की सिंचाई के लिये पानी एवं बिजली भी मौजूदा खेती-बाड़ी की तुलना में दस प्रतिशत ही खर्च होती है ।

सफलता की शुरुआत

जीरो बजट प्राकृतिक खेती जैविक खेती से भिन्न है तथा ग्लोबल वार्मिंग और वायुमंडल में आने वाले बदलाव का मुकाबला एवं उसे रोकने में सक्षम है । इस तकनीक का इस्तेमाल करने वाला किसान कर्ज के झंझट से भी मुक्त रहता है । प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक देश में करीब 40 लाख किसान इस विधि से जुड़े हुये आयातित ।

केले का उत्तक संवर्धन- उत्पादन तकनीक

उत्तक संवर्धन (टिशू कल्चर) क्या है?

एक परखनली में बहुत नियंत्रित एवं स्वच्छ स्थितियों में पौधे के एक हिस्से या एक कोशिका समूह के उपयोग द्वारा पौधे के प्रसार को 'टिशू कल्चर' कहा जाता है।

कृषि जलवायु

केला मूलतः एक उष्णकटिबंधीय फसल है तथा 13 ख्र सें -38 सें तापमान की रेंज में एवं 75-85 प्रतिशत की सापेक्षिक आर्द्रता में अच्छी तरह बढ़ती है। भारत में ग्रैन्डनाइन जैसी उचित किस्मों के चयन के माध्यम से इस फसल की खेती आर्द्र कटिबंधीय से लेकर शुष्क उष्णकटिबंधीय जलवायु में की जा रही है। शीत की वजह से नुकसान 12 ख्र सें (ष्ट) से निचले तापमान पर होता है। केले की सामान्य वृद्धि 18 ख्र सें से शुरू होती है, 27 ख्र सें पर इष्टतम होती है, उसके बाद गिरकर 38 ख्र सें पर रूक जाती है। धूप की वजह से उच्च तापमान फसल को झुलसा देता है। 80 किमी प्रति घंटे से अधिक वेग की वायु भी फसल को नुकसान पहुँचा देती है।

मिट्टी

केले के लिए मिट्टी में अच्छी जल निकासी, उचित प्रजनन क्षमता तथा नमी होनी चाहिए। केले की खेती के लिए गहरी, चिकनी बलुई मिट्टी, जिसकी क्ला 6-7.5 के बीच हो, सबसे ज्यादा पसंद की जाती है। खराब जल निकासी, वायु के आवागमन में अवरोध एवं पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टी केले के लिये अनुपयुक्त होती है। नमकीन, ठोस कैल्शियम युक्त मिट्टी, केले की खेती के लिए अनुपयुक्त होती है। निचले इलाकों की, अत्यंत रेतीली एवं गहरी काली सूखी, खराब जल निकासी वाली मिट्टी से बचें।

केलों के लिये ऐसी मिट्टी अच्छी होती है जिसमें अधिक अम्लता या क्षारता न हो, जिसमें अधिक नाइट्रोजन के साथ कार्बनिक पद्धार्थ की प्रचुरता हो एवं भरपूर पोटाश के साथ फॉस्फोरस का उचित स्तर हो।

किस्में

भारत में केला विभिन्न परिस्थितियों एवं उत्पादन प्रणालियों के तहत उगाया जाता है। इसलिए किस्मों का चुनाव विभिन्न जरूरतों एवं परिस्थितियों के हिसाब से उपलब्ध कई किस्मों में से किया जाता है। लेकिन, लगभग 20 किस्में जैसे ड्वार्फ कैवेंडशि, रोबस्टा, मोन्थन पूवन, नेन्ट्रन, लाल केला, नाइअली, सफेद वेलची, बसराई, अर्धापूरी, रस्थाली, कर्पुरवल्ली, करथली, एवं ग्रैन्डनाइन आदि अधिक प्रचलित हैं। ग्रैन्डनाइन लोकप्रियता अर्जित कर रहा है तथा अच्छी गुणवत्ता के गुच्छों के फलस्वरूप पसंदीदा किस्म बन सकता है। गुच्छों में अच्छी दूरी पर, सीधे तथा बड़े आकार के फल होते है। फल में आकर्षक, एक समान पीला रंग आता है, उसकी बेहतर स्व-जिंदगी होती है।

भूमि तैयार करना

केला रोपने से पहले डाइन्चा, लोबिया जैसी हरी खाद की फसल उगाएं एवं उसे जमीन में गाड़ दें। जमीन को 2-4 बार जोतकर समतल किया जा सकता है। पिंडों को तोड़ने के लिए राटोवेटर या हैरो का उपयोग करें तथा मिट्टी को उचित ढलाव दें। मिट्टी तैयार करते समय स्नड्डरूकी आधार खुराक डालकर अच्छी तरह से मिला दी जायें है।

सामान्यत- 45 सेंमी × 45 सेंमी × 45 सेंमी के आकार के एक गड्ढे की आवश्यकता होती है। गड्ढ़ों का 10 किलो स्नड्डरू (अच्छी तरह विघटित हो), 250 ग्राम खली एवं 20 ग्राम कॉन्बोफ्यूरॉन मिश्रित मिट्टी से पुन- भराव किया जाता है। तैयार गड्ढ़ों को सौर विकिरण के लिए छोड़ दिया जाता है, जो हानिकारक कीटों को मारने में मदद करता, मिट्टी जनित रोगों के विरुद्ध कारगर होता तथा मिट्टी में वायु मिलने में मदद करता है। नमकीन क्षारीय मिट्टी में, जहाँ क्ला 8 से ऊपर हो, गड्ढे के मिश्रण में संशोधन करते हुए कार्बनिक पदार्थ को मिलाना चाहिए।

रोपने की सामग्री

लगभग 500-1000 ग्राम वजन के सॉर्ड सकर्स, सामान्यतः प्रसार सामग्री के रूप में उपयोग किये जाते है। सामान्यतः सकर्स कुछ रोगज़नक़ों एवं नीमाटोड्स से संक्रमित हो सकते है। इसी प्रकार सकर की आयु एवं आकार में भिन्नता होने पर फसल एक समान नहीं होती है, फसल कटाई की प्रक्रिया लंबी हो जाती है और प्रबंध मुश्किल हो जाता है। इसलिए, इन विट्रो क्लोनल प्रसार में टिशू कल्चर में, रोपाई केलिये पौधों की सिफारिश की जाती हैं। वे स्वस्थ, रोग मुक्त, एक समान तथा प्रामाणिक होते हैं। रोपने के लिये केवल उचित तौर पर कठोर, किसी अन्य से उत्पन्न पौधों की सिफारिश की जाती है।

रोपाई का समय

टिशू कल्चर केले की रोपाई वर्ष भर की जा सकती, सिवाय उस समय के जब तापमान अत्यन्त कम या अत्यन्त ज्यादा हो। ड्रिप सिंचाई प्रणाली की सुविधा महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र में दो महत्वपूर्ण मौसम हैं- मृग बाग खरीफ) रोपाई के महीने जून ङ्क जुलाई, कान्दे बाग (रबी) रोपाई के महीना अक्तूबर- नवम्बर।

फसल ज्यामिति

परंपरागत रूप से केला उत्पादक फसल की रोपाई 1.5 मी × 1.5 मीटर पर उच्च घनत्व के साथ करतें हैं, लेकिन पौधें का विकास एवं पैदावार सूर्य की रोशनी के लिए प्रतिस्पर्धा की वजह से कमजोर हैं। ग्रैन्डाइन को फसल के रूप में लेकर जैन सिंचाई प्रणाली अनुसंधान एवं विकास फार्म पर विभिन्न परीक्षण किए गए थे। तदोपरांत 1.82 मी × 1.52 मी के अंतराल की सिफारिश की जा सकती है, इस पंक्ति की दिशा उत्तर- दक्षिण रखते हुए तथा पंक्तियों के बीच 1.82 मी का बड़ा अन्तर रखते हुए 1452 पौधे प्रति एकड़ (3630 प्रति हेक्टेयर) समा लेती है। उत्तर भारत के तटीय पट्टों जहां आर्द्रता बहुत अधिक है तथा तापमान 5-7ख्रसें तक गिर जाता है, रोपाई का अंतराल 2.1 मी × 1.5 मी. से कम नहीं होनी चाहिए।

ग्रैन्डनाइन किस्म के लिये फसल की ज्यामिति

रोपाई का तरीका

पौधे की जड़ीय गेंद को छेड़े बगैर उससे पॉलीबैग को अलग किया जाता है तथा उसके बाद छद्म तने को भ्स्तर से 2 सें.मी. नीचे रखते हुए पौधों को गड्ढ़ों में रोपा जा सकता है। गहरे रोपण से बचना चाहिए।

जल प्रबंधन

केला, एक पानी से प्यार करने वाला पौधा है, अधिकतम उत्पादकता के लिए पानी की एक बड़ी मात्रा की आवश्यकता मांगता है। लेकिन केले की जड़ें पानी खींचने के मामले में कमजोर होती हैं। अत- भारतीय परिस्थितियों में केले के उत्पादन में दक्ष सिंचाई प्रणाली, जैसे ड्रिप सिंचाई की मदद ली जानी चाहिए। केले के जल की आवश्यकता, गणना कर 2000 मिली मीटर प्रतिवर्ष निकाली गई है। ड्रिप सिंचाई एवं मल्चींग तकनीक से जल के उपयोग की दक्षता में बेहतरी की रिपोर्ट है। ड्रिप के ज़रिये जल की 56 प्रतिशत बचत एवं पैदावार में 23-32 प्रतिशत वृद्धि होती है। पौधों की सिंचाई रोपने के तुरन्त बाद करें। पर्याप्त पानी दें एवं खेत की क्षमता बनाये रखें। आवश्यकता से अधिक सिंचाई से मिट्टी के छिद्रों से हवा निकल जाएगी, फलस्वरूप जड़ के हिस्से में अवरोध उत्पन्न होकर पौधे की स्थापना और विकास प्रभावित होगें। इसलिए केले के लिए ड्रिप पद्धति उचित जल प्रबंधन के लिये अनिवार्य है।

टिशू कल्चर रोपाई सामग्री के फायदे

- अच्छे प्रबंधन के साथ केवल मातृ पौधे
- कीट और रोग मुक्त विकसित छोटे पौधे
- एक समान बढ़त, अधिक पैदावार
- कम समय में फसल की परिपक्वता - भारत जैसे कम भूमि स्वामित्व वाले देश में जमीन का अधिकतम उपयोग संभव है
- वर्ष भर रोपाई संभव है क्योंकि विकसित छोटे पौधे वर्ष भर उपलब्ध कराये जाते हैं
- कम अवधि में एक के बाद एक, दो अंकुरण संभव हैं जो खेती की लागत कम कर देते हैं
- बगैर अंतर के कटाई
- 95 से 98 प्रतिशत पौधें में गुच्छे लगते हैं
- कम अवधि में नई किस्में पेश की जा सकती व बढ़ाई जा सकती है।

यूएन में बिलावल के झूठ को पत्रकार ने पकड़ा

भुट्टो ने कहा था- भारत ने पहलगाम हमले की आड़ में मुस्लिमों की छवि खराब की

एजेंसी

इस्लामाबाद, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय में मंगलवार देर रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी के झूठ को एक पत्रकार ने मौके पर ही पकड़ लिया। बिलावल ने आरोप लगाया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत सरकार राजनीतिक मकसद से इस्तेमाल कर रही है ताकि भारत के मुसलमानों को बदनाम किया जा सके। इस पर एक पत्रकार ने कहा कि, आप कह रहे हैं कि हालिया आतंकी हमले का इस्तेमाल भारत में मुस्लिमों को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मैंने खुद भारतीय सेना की ब्रीफिंग्स देखी हैं, और उसमें मुस्लिम अधिकारी ही शामिल थे। दरअसल भारत की तरफ से दो महिला अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी प्रेस ब्रीफिंग कर रही थीं। बिलावल भुट्टो जरदारी

ने कहा है कि पाकिस्तान भारत के साथ शांति चाहता है, लेकिन यह शर्तों के साथ नहीं हो सकती। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने कश्मीर के पहलगाम में हुई एक घटना के लिए बिना किसी जांच या सबूत के पाकिस्तान को दोषी ठहराया, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना की जांच में मदद की पेशकश की थी। बिलावल भुट्टो ने आरोप लगाया कि भारत ने सीमा पार कर के निर्दोष लोगों को निशाना बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान हर तरह के आतंकवाद की निंदा करता है और इस लड़ाई में उसने बहुत भारी कीमत चुकाई है।

उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव पर चिंता जताई और कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं, इसलिए हालात काफी गंभीर हो सकते थे। पाकिस्तान ने भी भारत की तरह विदेशों में अपनी बात रखने के लिए डेलिगेशन भेजा है। इस प्रतिनिधिमंडल में कुल 9 सदस्य शामिल हैं।

इसकी अध्यक्षता पूर्व विदेश मंत्री और पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी कर रहे हैं।यह प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क, वाशिंगटन डीसी, लंदन और ब्रुसेल्स का दौरा करेगा।

इस डेलिगेशन में जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. मुसद्दिक मलिक, पूर्व सूचना मंत्री शेरी रहमान, विदेश मामलों की संसदीय समिति की अध्यक्ष हिना रब्बानी खार, पूर्व रक्षा मंत्री खुर्रम दस्तगीर खान शामिल हैं। इनके अलावा समुद्री मामलों के पूर्व मंत्री सैयद फैसल अली सबजवारी, सीनेटर बुशरा अंजुम बट पूर्व विदेश सचिव जलील अब्बास जिलानी और तहमीना जंजुआ को भी इस प्रतिनिधिमंडल में रखा गया है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष सहायक सैयद तारिक फातिमी की अगुवाई में एक अलग प्रतिनिधिमंडल रूस पहुंचा है।

यूक्रेन का दावा-रूस और क्रीमिया को जोड़ने वाला ब्रिज उड़ाया

1100 के.जी विस्फोट का इस्तेमाल किया; ब्रिज पर 3 साल में तीसरी बार हमला

एजेंसी

कीव, यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस (एसबीयू) ने दावा किया है कि उसने रूस और क्रीमिया को जोड़ने वाले कर्च ब्रिज को उड़ा दिया है। इस हमले में 1100 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया। यह हमला मंगलवार सुबह कर्च स्ट्रैट पर किया गया। इसके लिए कई महीने प्लानिंग की गई थी। एसबीयू ने कहा- हमने 2022 और 2023 में भी क्रीमिया पुल पर दो बार हमला किया था। आज हमने फिर से इसे निशाना बनाया। यह ब्रिज अब इमरजेंसी हालात में है। एसबीयू ने इसका वीडियो भी शेयर किया, जिसमें पुल के एक

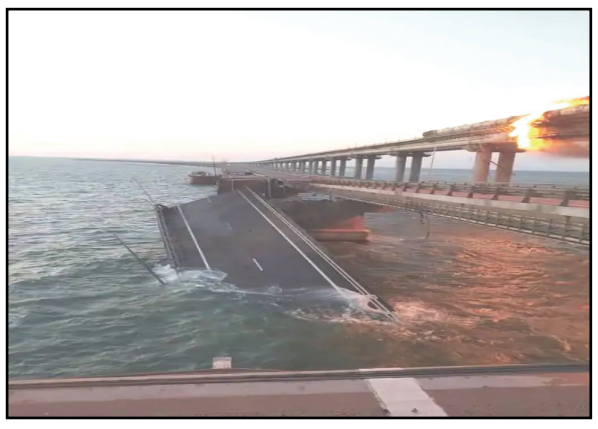

पिलर के पास विस्फोट होता नजर आ रहा है। हालांकि, रूसी मिलिट्री ब्लॉगर्स ने दावा किया कि यह हमला नाकाम रहा। रूसी अधिकारियों ने बताया कि पुल को तीन घंटे के लिए बंद किया गया था, लेकिन अब यह सामान्य रूप से काम कर रहा है। 2014 में बना था कर्च ब्रिज कर्च ब्रिज को साल 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जे के बाद 21 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाया था। 19 किमी लंबे रोड वे ब्रिज को आम लोगों के लिए 2018 में खोला गया था, इसके दो साल बाद रेलवे ब्रिज पर आवाजाही शुरू हुई थी। यह रूस के ट्रांसपोर्ट को क्रीमिया से जोड़ने वाला एकमात्र सीधा रास्ता है। यह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक प्रमुख प्रोजेक्ट है। पुल में सड़क और रेल रूट अलग-अलग हैं, जो कंक्रीट के खंभों पर टिके हैं और समुद्र के बीच में स्टील के मेहराबों से जुड़े हैं। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के दौरान रूस ने इस पुल का इस्तेमाल क्रीमिया पहुंचने और फिर यूक्रेन के खेरसॉन और ज्पोरिजिया क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए किया था।

रूस और यूक्रेन की बीच सोमवार को तुर्किये से इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता हुई थी। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं।

आतंक फैलाने वाले पाकिस्तान को यूएनएससी में बड़ी जिम्मेदारी

तालिबान प्रतिबंध कमेटी का अध्यक्ष बना, आतंक रोकने वाली समिति का उपाध्यक्ष भी बना

एजेंसी

न्यूयॉर्क, पाकिस्तान को मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। तालिबान प्रतिबंध समिति को 1988 समिति के तौर पर भी जाना जाता है। गुयाना और रूस इस समिति के उपाध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे। यह समिति उन व्यक्तियों, समूहों और संस्थाओं की आर्थिक संपत्ति फ्रीज करने, यात्रा और हथियारों पर प्रतिबंध लगाने जैसे फैसले लेती है, जो अफगानिस्तान की शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए खतरा माने जाते हैं। पाकिस्तान अब तालिबान प्रतिबंध समिति से जुड़ी बैठकों की अध्यक्षता करेगा, सिफारिशें तैयार करेगा और सदस्यों के बीच सहमति बनाने में मदद करेगा। तालिबान प्रतिबंध समिति पहले आईएसआईएल और अल-कायदा से जुड़े आतंकियों की निगरानी करती थी। बाद में इसे यूएनएससी के प्रस्ताव 1988 के तहत 2011 में फिर से अलग तौर पर संगठित किया गया, ताकि इसे तालिबान पर फोकस किया जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान को तालिबान पर प्रतिबंध लगाने वाली समिति की कमान मिलने के बाद अगर वह तालिबान के खिलाफ सख्त एक्शन लेता है तो इससे उसके संबंधों पर असर पड़ सकता है। पाकिस्तान को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में मिली है, जब वह तालिबान से संबंध सुधारने की कोशिश कर रहा है। पिछले महीने ही चीन के जरिए तालिबान और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। इसके अलावा पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी समिति (1373 काउंटर टेररिज्म कमेटी) का उपाध्यक्ष भी बनाया गया है। अल्जीरिया को आतंकवाद रोधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। फ्रांस और रूस को पाकिस्तान के साथ कमेटी का उपाध्यक्ष बनाया गया है। आतंकवाद रोधी समिति के पास खुद से सजा देने या कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है, लेकिन यह सदस्य देशों की गतिविधियों की निगरानी करती है और उन्हें सुझाव देती है कि वे आतंकवाद के खिलाफ क्या कदम उठाएं। समिति की अध्यक्षता हर साल बदलती है, और यह भूमिका किसी सदस्य देश को दी जाती है। 2025 में इस समिति की अध्यक्षता अल्जीरिया को मिली है, जबकि पाकिस्तान समेत 3 देशों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। भारत ने 2022 में इस समिति की अध्यक्षता की थी। यह अध्यक्षता भारत को 2021-2022 के लिए अस्थायी सदस्य चुने जाने के बाद मिली थी। तालिबान प्रतिबंध समिति और आतंक रोधी समिति दोनों ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की समितियां हैं, लेकिन इनके काम और दायरा अलग-अलग हैं। आतंक रोधी समिति पूरी दुनिया में आतंकवाद से लड़ने में मदद करती है। वहीं, तालिबान प्रतिबंध समिति का काम अफगानिस्तान की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले आतंकियों पर प्रतिबंध लगाना है। भारत बार-बार यह मुद्दा उठाता रहा है कि पाकिस्तान यूनाइटेड नेशन के नामित आतंकवादियों और आतंकी संगठनों को सबसे अधिक संख्या में पनाह देता है।

ट्रम्प से अलग होते ही फूटा मस्क का गुस्सा

फंडिंग बिल को बेतुका और फिजूलखर्ची बताया, कहा- संसद देश को दिवालिया बना रही, यह असहनीय

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए फंडिंग बिल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे घिनौना और शर्मनाक बताया है। मस्क ने कहा कि इस बिल से अमेरिका का बजट घाटा 2.5

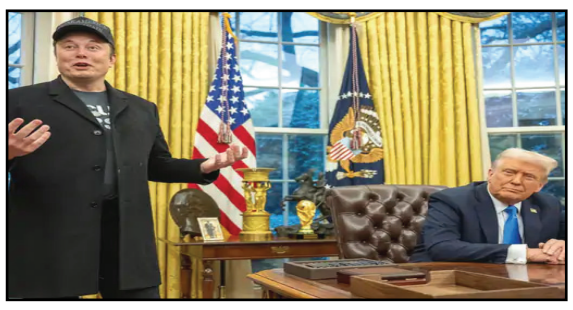

ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस (संसद) देश को दिवालिया बना रही है। एक दूसरे पोस्ट में मस्क ने कहा कि अगले साल नवंबर में हम उन सभी राजनेताओं को हटाएंगे, जिन्होंने जनता को धोखा दिया है। इस बिल का नाम वन बिग ब्यूटीफुल बिल एक्ट है। यह ट्रम्प के 2017 के टैक्स कट्स को आगे बढ़ाता है। इसके अलावा सेना और बॉर्डर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाता है। इसके बदले गरीबों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाएं, फूड सपोर्ट और अन्य योजनाओं में कटौती की जा रही है। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक, यह बिल अगले 10 साल में अमेरिका के कर्ज में करीब 3.8 ट्रिलियन डॉलर का इजाफा करेगा। अभी अमेरिका पर कुल 36.2 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है।

गुरुद्वारे की जमीन पर ठोका था दावा

दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली वक्फ बोर्ड के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि एक परिसर का इस्तेमाल गुरुद्वारे के तौर पर किया जा रहा है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने वक्फ बोर्ड की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उसने 2010 में दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा उसकी याचिका खारिज करने के फैसले के खिलाफ अपील की थी। जस्टिस शर्मा ने कहा कि बोर्ड को खुद ही अपना दावा छोड़ देना चाहिए था। हालांकि, बोर्ड की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय घोष ने कहा कि निचली अदालतों ने माना था कि वहां मस्जिद थी लेकिन अब वहां किसी तरह का गुरुद्वारा है।कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए कहा कि किसी तरह का नहीं। एक उचित ढंग से काम करने वाला गुरुद्वारा। एक बार गुरुद्वारा बन जाए तो उसे रहने दें। वहां पहले से ही एक धार्मिक संरचना काम कर रही है। आपको खुद ही उस दावे को छोड़ देना चाहिए। वक्फ बोर्ड के अनुसार शाहदरा में विवादित मस्जिद मस्जिद

कोर्ट ने अपील खारिज करते हुए कहा कि किसी तरह का नहीं। एक उचित ढंग से काम करने वाला गुरुद्वारा। एक बार गुरुद्वारा बन जाए तो उसे रहने दें। वहां पहले से ही एक धार्मिक संरचना काम कर रही है।

तकिया बब्बर शाह थी। बोर्ड का दावा है कि यह मस्जिद अनादि काल से अस्तित्व में है और धार्मिक उद्देश्यों के लिए समर्पित थी। हालांकि, प्रतिवादी ने तर्क दिया था कि संपत्ति वक्फ संपत्ति नहीं है क्योंकि संपत्ति के मालिक मोहम्मद अहसान ने इसे 1953 में उसे बेच दिया था। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतिवादी के पक्ष में फैसला सुनाया था।हाई कोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी 1947-48 से इस संपत्ति पर काबिज था। यह भी सच है कि प्रतिवादी इस संपत्ति की खरीद के सबूत के तौर पर कोई भी मालिकाना हक का दस्तावेज पेश नहीं कर पाया, फिर भी यह किसी भी तरह से वादी को लाभ नहीं पहुंचाता, जिसे अपना मामला खुद ही स्थापित करना है और कब्जे का आदेश प्राप्त करने के लिए इसे साबित करना है।

अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब सेना को बदनाम करना नहीं

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाई कोर्ट की फटकार

अदालत ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें भारतीय सेना के लिए अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की फटकार लगाई है। हाई कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में लखनऊ की एक अदालत द्वारा जारी समन के खिलाफ गांधी द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

की गारंटी देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता उचित प्रतिबंधों के अधीन है और इसमें भारतीय सेना के लिए अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है। गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था, क्योंकि उन्होंने कहा था कि चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं। यह टिप्पणी 2022 में राजस्थान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई थी। राहुल गांधी ने कहा था कि लोग भारत जोड़ो यात्रा, यहां-वहां, अशोक गहलोत और सचिन पायलट और न जाने क्या-क्या के बारे में पूछेंगे। लेकिन वे चीन द्वारा 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने, 20 भारतीय सैनिकों को मारने और अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की पिटाई करने के बारे में एक भी सवाल नहीं पूछेंगे। भारतीय प्रेस उनसे इस बारे में एक भी सवाल नहीं पूछता। क्या यह सच नहीं है? देश यह सब देख रहा है। ऐसा दिखावा न करें कि लोगों को पता नहीं है।उत्तर प्रदेश में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज किया गया था और निचली अदालत ने उन्हें समन जारी किया था। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर कार्यवाही और समन को रद्द करने की मांग की। मानहानि की शिकायत सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि गांधी ने बहुत ही अपमानजनक तरीके से बार-बार कहा कि चीनी सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों की 'पिटाई' कर रही है।

शादी से लौट रहे थे दो परिवार, बीच रास्ते में हो गई अनहोनी, ट्रक पलटने से नौ लोगों की मौत

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में बुधवार को करीब 2.30 बजे सीमेंट से लदे ट्रेलर ट्रक के वैन पर पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे, जो एक विवाह समारोह से लौट रहे थे।

एजेंसी

मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में बुधवार को करीब 2.30 बजे सीमेंट से लदे ट्रेलर ट्रक के वैन पर पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सभी पीड़ित एक ही परिवार के थे, जो एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। यह दुर्घटना मेघनगर तहसील क्षेत्र में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई, जहां एक निमार्णाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) का निर्माण किया जा रहा था। झाबुआ के पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ला ने कहा, ट्रक मेघनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास एक अस्थायी सड़क के माध्यम से निमार्णाधीन रेल ओवर-ब्रिज (आरओबी) को पार कर रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह एक वैन पर पलट गया। विनाश काले विपरीत बुद्धि! जिस मुजीब-उर रहमान ने दिलाई बांग्लादेश को आजादी, वही मुजीबुर रहमान अब नहीं रहे स्वतंत्रता सेनानीयह दुर्घटना झाबुआ जिले के मेघनगर तहसील में संजेली रेलवे क्रॉसिंग के पास करीब 2.30 बजे हुई

लगातार बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामले

दर्ज हुए 4302 एक्टिव केस, 44 की हुई मौत

स्वास्थ विभाग के आंकड़ों की मानें तो देश में केरल ऐसा राज्य है जहां अब तक कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए है। केरल में 1373 मामले कोरोना के सामने आए है। केरल में कुल नौ लोग कोरोना के कारण अपनी जान गंवा चुके है। वहीं दक्षिण भारत के कर्नाटक में भी कोरोना वायरस के 324 एक्टिव मामले है।

एजेंसी

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले देश में फिर से बढ़ने लगे है। कोरोना चुपके से अपने पैर पसार रहा है। कोविड 19 के ताजा मामले भारत में 4302 पर पहुंच चुके है। अब तक कोरोना वायरस के कारण कुल 44 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस संक्रमण के कई मामले सामने आ चुके है। कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। देश में अलग अलग राज्य सरकारों ने गाइडलाइन भी जारी की है ताकि कोरोना वायरस के मामलों को

फैलने से रोका जाए।स्वास्थ विभाग के आंकड़ों की मानें तो देश में केरल ऐसा राज्य है जहां अब तक कोरोना वायरस के सबसे अधिक मामले दर्ज हुए है। केरल में 1373 मामले कोरोना के सामने आए है। केरल में कुल नौ लोग कोरोना के कारण अपनी जान गंवा चुके है। वहीं दक्षिण भारत के कर्नाटक में भी कोरोना वायरस के 324 एक्टिव मामले है। तमिलनाडु में 216 एक्टिव मामले है। दिल्ली में कोरोना वायरस के 457 एक्टिव मामले सामने आए है। दिल्ली में पांच लोग कोरोना से जान गंवा चुके है। उत्तर प्रदेश में कोविड 19 के 200 से अधिक मामले दर्ज हो चुके है। यहां एक्टिव मामले 201 है। दो लोग कोरोना से उत्तर प्रदेश में जान गंवा चुके है। राजस्थान में 90 मामले है और एक की मौत हुई है।

अन्य राज्यों में है ये हाल

पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 432 एक्टिव मामले है। यहां कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 44 हो चुका है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी क्रमशः दो और तीन मामले सामने आए है। पंजाब में 12 एक्टिव मामले सामने आए है। पंजाब में कोरोना ने एक व्यक्ति की जान ले ली है। मध्यप्रदेश में 22, झारखंड में नौ, जम्मू कश्मीर में छह और हिमाचल प्रदेश में एक मामला दर्ज हो चुका है। राहत है कि अरुणाचल प्रदेश में एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ है। वहीं गुजरात में कोरोना वायरस के 108 मामले दर्ज हुए है